कार्तिक शुक्ल पक्ष -7, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-10, अंक - 129 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

भोपाल
16 नवंबर 2026 सोमवार

आज का मौसम
32.6 अधिकतम
15.3 न्यूनतम

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो


Page-7

मरु निनाद-2026 घोष शिविर... बिखराव की राह पर चला देश तो कमजोर होगा

समाज में संघर्ष भड़काकर भारत को बांटने की कोशिश हो रही: भागवत

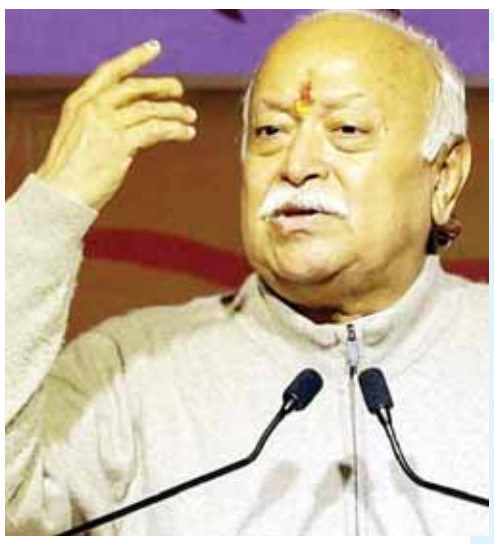
कुछ वैश्विक ताकतें नहीं चाहतीं कि हमारा देश महान बने

जोधपुर, एजेंसी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने देश में सामाजिक एकता को मजबूत करने की अपील करते हुए कहा कि छोटी-छोटी पहचानों के आधार पर भारत को बांटने की कोशिशें हो रही हैं। उन्होंने ऐसी कोशिशों की तुलना अंग्रेजों की 'फूट डालो और राज करो' की नीति से की। भागवत शिकारपुरा स्थित राजाराम आश्रम में संघ के जोधपुर प्रांत की ओर से आयोजित मरु निनाद-2026 घोष शिविर को संबोधित कर रहे थे। भागवत ने महाभारत का उदाहरण देते हुए बताया कि आपसी मतभेद किस तरह मजबूत से मजबूत पक्ष को कमजोर कर सकते हैं।

मोहन भागवत ने कहा कि भारत आज सही दिशा में आगे बढ़ रहा है और पूरी दुनिया की उम्मीदें उससे जुड़ी हैं। हालांकि, कुछ वैश्विक ताकतें अपने स्वार्थ के कारण भारत को एक महान राष्ट्र के रूप में उभरते हुए नहीं देखना चाहतीं। उन्होंने आरोप लगाया कि समाज में छोटी-छोटी पहचानों को बढ़ावा देकर लोगों के बीच टकराव पैदा करने और देश की एकता को कमजोर करने का प्रयास किया जा रहा है।

आरएसएस चीफ ने लोगों से व्यक्तिगत स्वार्थ, अहंकार और आपसी मतभेदों से ऊपर उठकर राष्ट्रहित में काम करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि देश को मजबूत बनाने के लिए धर्म और राष्ट्रसेवा की भावना से जुड़ा संगठित समाज जरूरी है। भागवत ने अपने संबोधन में महाभारत का उदाहरण देते हुए बताया कहा कि कौरवों के पास 11 अक्षौहिणी सेना और भीष्म, द्रोणाचार्य, कर्ण तथा अश्वत्थामा जैसे महारथी थे, फिर भी वे पराजित हुए। दूसरी ओर, सात अक्षौहिणी सेना वाले पांडव एकजुटता और आपसी तालमेल के कारण



विजयी हुए। संघ प्रमुख ने जमीनी स्तर पर मजबूत नेतृत्व की जरूरत बताते हुए कहा कि प्रत्येक गांव, गली और मोहल्ले में 25 से 100 ऐसे निस्वार्थ लोगों का समूह होना चाहिए, जो समाज के सुख-दुख में साथ खड़ा रहे और राष्ट्र के प्रति समर्पित हो।

सोशल मीडिया भी नशे की तरह

सोशल मीडिया के बढ़ते इस्तेमाल और समाज में व्यसनों को लेकर भागवत ने चिंता जताई। उन्होंने कहा कि नशा केवल रासायनिक ड्रग्स तक सीमित नहीं है, बल्कि चाय-कॉफी के साथ फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया मंच भी आज नशे का रूप ले रहे हैं। हर तरह का व्यसन व्यक्ति की संवेदनशीलता और जागरूकता को कम करता है। उन्होंने कहा कि व्यक्ति जब किसी भी तरह के नशे का आदी हो जाता है, तो उसकी सोचने-समझने की क्षमता प्रभावित होती है। इसका असर केवल व्यक्ति पर नहीं, बल्कि पूरे समाज पर पड़ता है। सामाजिक एकता पर जोर देते हुए कहा उन्होंने कहा कि लोगों को जाति, भाषा और राज्य का भी नशा हो जाता है। व्यक्ति को इन पहचानों के प्रति जरूरत से ज्यादा लगाव रखने के बजाय समाज की एकता को महत्व देना चाहिए।

अंग्रेजों ने नष्ट की शिक्षा व्यवस्था

अंग्रेजों की नीतियों का जिक्र करते हुए मोहन भागवत ने कहा कि ब्रिटिश शासकों ने भारत की अपनी शिक्षा पद्धति को नष्ट कर दिया और उसकी जगह अपनी शिक्षा व्यवस्था थोप दी। इसके परिणामस्वरूप देश के संपन्न लोग भी निर्धन हो गए। उन्होंने कहा कि अंग्रेज अच्छी तरह समझ गए थे कि जब तक भारतीय जागरूक और सचेत रहेंगे, तब तक उन्हें हराना आसान नहीं होगा। इसी वजह से उन्होंने देश को एक तरह के भ्रम और नशे में धकेलने का प्रयास किया।

बड़े तालाब के कैचमेंट पर 6000 से अधिक आपत्तियां

मास्टर प्लान... आज से 13 हजार आपत्तियों पर हो रही जनसुनवाई



भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल मास्टर प्लान-2047 के ड्राफ्ट पर आईं13,400 से अधिक आपत्तियों पर आज से सुनवाई चल रही है। लालघाटी स्थित हुजूर तहसील कार्यालय में टाउन एंड कंट्री प्लानिंग (टीएंडसीपी) के अफसर सुनवाई कर रहे हैं। रहवासियों ने अवैध निर्माण को लेकर शिकायत की है। 4 हजार से अधिक आपत्तियां आवासीय क्षेत्रों में व्यावसायिक गतिविधियों के प्रस्ताव से जुड़ी हैं। इस मुद्दे पर रहवासियों ने पहले ही सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर रखी है। जिस पर सुनवाई भी की जा रही है। रहवासी विवेक त्रिपाठी ने कहा कि सुनवाई के दौरान मजबूती से अपना पक्ष रखेंगे। साथ ही अवैध निर्माण की जानकारी भी देंगे। ताकि, मास्टर प्लान के ड्राफ्ट में कोई निर्णय लिया जा सके।

3 हजार आपत्तियां एक से ज्यादा बार दर्ज हुईं

अफसरों के अनुसार, करीब 3 हजार आपत्तियां ऐसी थीं, जो एक से अधिक बार दी गई थीं। यानी, किसी एक व्यक्ति ने ऑनलाइन आपत्ति भी दर्ज करा दी और ऑफलाइन भी दस्तावेज दे दिए। इसके चलते इन्हें हटा दिया गया। आपत्तियों की संख्या अब करीब 13 हजार 400 हो गई हैं। सबसे ज्यादा 6 हजार से अधिक दावे-आपत्तियां बड़े तालाब सहित अन्य जल स्रोतों के कैचमेंट को लेकर हैं। इनमें नीलबड़, रातीबड़ और भौंरी सहित तालाब किनारे के ग्रामीण क्षेत्र शामिल हैं।

कृषि भूमि का उपयोग खेती के लिए ही सुरक्षित रखा जाए...

किसान चाहते हैं कि उनकी कृषि भूमि का उपयोग खेती के लिए ही सुरक्षित रखा जाए। अनोखी सिंह पटेल के मुताबिक, किसानों के पास आजीविका का प्रमुख साधन खेती है। इसलिए उन्होंने भोजताल संरक्षण जोन-1 और जोन-2 को हटाने और कृषि भूमि का लैंडयूज कृषि ही रखने की मांग की है। इसे लेकर उन्होंने आपत्तियां भी दर्ज कराई हैं। किसानों का आरोप है कि मौजूदा ड्राफ्ट में बड़े तालाब के आसपास की कृषि भूमि के भू-उपयोग में बदलाव का प्रस्ताव किया गया है। इसी वजह से किसान अपनी जमीन के भविष्य को लेकर चिंतित हैं।

न्यूज विंडो

आसियान समिट: फिलीपींस दौरे पर रवाना हुए पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज दो दिवसीय दौरे पर मनीला जा रहे हैं। वहां वे 23वें भारत-आसियान शिखर सम्मेलन और 21वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। इन बैठकों में समुद्री सुरक्षा, क्षेत्रीय स्थिरता और व्यापारिक संबंधो पर मुख्य फोकस रहने की उम्मीद है। यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब भारत, हिंद-प्रशांत क्षेत्र में तेजी से हो रहे भू-राजनीतिक बदलावों के बीच दक्षिण पूर्व एशिया के साथ अपने रणनीतिक संबंधों को मजबूत करना चाहता है।



थाईलैंड के फुकेट स्थित रिसॉर्ट में लगी आग, 11 लोगों की मौत

बैंकॉक। थाईलैंड के दक्षिणी रिसॉर्ट द्वीप फुकेत में एक कमर्शियल बिल्डिंग में भीषण आग लग गई, जिसमें कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई और 16 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने न्यूज एजेंसी रॉयटर्स को जानकारी देते हुए बताया कि आग सुबह सुबह लगी और तेजी से आस-पास की कई इमारतों में फैल गई, जिसके बाद बड़े पैमाने पर आग बुझाने का अभियान चलाया गया। स्थानीय समयानुसार सुबह लगभग 3:17 बजे एक ऐसी इमारत में आग लगी, जिसमें वाहनों को किराए पर देने का कारोबार होता था। दमकलकर्मियों ने लगभग दो घंटे तक की मशक्कत के बाद आग पर काबू लिया।

दिल्ली में सोनिया गांधी की किताब की लॉन्चिंग आज

नई दिल्ली, एजेंसी। सोनिया गांधी की किताब बिलॉन्गिंग..अ जर्नी ऑफ लव की आज दिल्ली में ऑफिशियल लॉन्चिंग है। कार्यक्रम शाम 6 बजे से होटल मौर्या में होगा। इस समारोह में कांग्रेस शासित राज्यों केरलम, तेलंगाना और कर्नाटक के मुख्यमंत्री शामिल हो रहे हैं। वहीं तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय भी इवेंट में पहुंचेंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक राहुल गांधी ने उन्हें खुद फोन करके दिल्ली आने का न्योता दिया है। मुख्यमंत्री बनने के बाद यह विजय की सोनिया से दूसरी मुलाकात होगी। पहली मुलाकात जून में 10 जनपथ पर हुई थी। सोनिया की किताब 10 नवंबर को ही बाजार में आ चुकी है।



जय शाह दूसरी बार बने आईसीसी के चेयरमैन

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट की दुनिया में जय शाह का दबदबा एक बार फिर देखने को मिला है। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने जय शाह को लगातार दूसरी बार अपना चेयरमैन नियुक्त किया है। बाली में हुई ICC बोर्ड की बैठक में उनके नाम पर सहमति बनी और उन्हें निर्विरोध दूसरे कार्यकाल के लिए चुन लिया गया। उनके सामने कोई चुनौती देने वाला नहीं था। जय शाह पहली बार 2024 में चेयरमैन चुने गए थे। तब भी उनका निर्विरोध ही चुनाव हुआ था। उन्होंने ग्रेग बार्कले की जगह यह जिम्मेदारी संभाली थी। बार्कले ने तीसरे कार्यकाल के लिए चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया था।



उत्तराखंड के 4 धामों में बर्फबारी, एमपी में 2 दिन बाद मावठा गिरने के आसार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कश्मीर और उत्तराखंड के कई इलाकों में बर्फबारी हो रही है। वहीं, राजस्थान में चक्रवात के कारण हल्की बारिश भी रिकॉर्ड की गई है। केदारनाथ में देर रात भी तेज बर्फबारी दर्ज की गई, यहां पहले भी बद्रीनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री में बर्फ गिरी थी। इससे आज को मैदानी इलाकों में ठंड बढ़ गई है।

इन मौसमी गतिविधियों का असर मध्य प्रदेश के मौसम पर भी पड़ रहा है। सूबे में सर्दी का असर बढ़ गया है। रात और सुबह के समय ठंड पड़ रही है। इंदौर प्रदेश का दूसरा सबसे ठंडा शहर रहा। यहां न्यूनतम तापमान 12 डिग्री से नीचे दर्ज किया गया। वहीं, जबलपुर, उज्जैन समेत 16 शहरों में पारा 15 डिग्री से नीचे रहा। मौसम केंद्र के मुताबिक बंगाल की खाड़ी में साइक्लोनिक सर्कुलेशन बनी हुई है। इसके असर से प्रदेश में बारिश हो सकती है। अगले 2-3 दिनों में स्थिति और स्पष्ट होगी। ऐसे में 18 नवंबर के बाद प्रदेश में मावठा गिरने की संभावना है।



बंगाल की खाड़ी में चक्रवात का खतरा.. बारिश का अलर्ट

भारतीय मौसम विभाग ने अलर्ट किया है कि बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना डीप डिप्रेशन आज शाम तक दक्षिण और उससे सटे पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के मध्यवर्ती हिस्सों में चक्रवाती तूफान का रूप ले सकता है। साथ ही विभाग ने मंगलवार शाम तक इसके गंभीर चक्रवाती तूफान में बदलने का अनुमान जताया है। इसके और अधिक तीव्र होने तथा अगले दो दिनों में उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ते हुए आंध्र प्रदेश के तट की तरफ जाने की संभावना है। 17 और 20 नवंबर को उत्तरी तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में कई जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश तथा कुछ स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। यहां प्रशासन अलर्ट पर है।

आज कपाट बंद

चारधाम यात्रा में रिकॉर्ड 65.37 लाख श्रद्धालु पहुंचे

इस साल उत्तराखंड की चारधाम यात्रा ने नया रिकॉर्ड बनाया है। 19 अप्रैल से 14 अक्टूबर तक गंगोत्री, यमुनोत्री, केदारनाथ, बद्रीनाथ और हेमकुंड साहिब में कुल 65 लाख 37 हजार 253 श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। चारधाम यात्रा प्रबंधन एवं नियंत्रण संगठन के अनुसार, बद्रीनाथ धाम में सबसे ज्यादा 23 लाख 21 हजार 401 श्रद्धालु पहुंचे। शनिवार को भी यहां 17 हजार 532 लोगों ने दर्शन किए। बद्रीनाथ के कपाट आज बंद हो रहे है। इसके साथ ही ग्रीष्मकालीन चारधाम यात्रा संपन्न हो जाएगी।

यूपी चुनाव को लेकर खड़गे के घर बैठक जारी, कांग्रेस ने सपा से 181 सीटें मांगीं

नई दिल्ली, एजेंसी

उत्तर प्रदेश की 403 विधानसभा सीटों पर अगले साल होने वाले चुनाव को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के घर पर आज पार्टी बैठक हो रही है। इसमें समाजवादी पार्टी (सपा) के साथ गठबंधन और सीटों के बंटवारे की रणनीति तैयार की जा रही है। कांग्रेस ने सपा को करीब 181 विधानसभा सीटों की सूची सौंपी है। कांग्रेस ने ग्राउंड रिपोर्ट के आधार पर दावा किया कि इन इलाकों में उसकी स्थिति मजबूत है। पिछले कुछ महीनों में उसके पक्ष में माहौल बदला है। हालांकि, कांग्रेस की इस मांग को लेकर सपा में असमंजस है। इसकी वजह 2022 के विधानसभा चुनाव के नतीजे हैं। उस चुनाव में कांग्रेस को सिर्फ 2.33% वोट मिले थे और पार्टी केवल 2 सीटें जीत सकी थी।





पश्चिमी संस्थाओं की रेटिंग से नहीं विश्वसनीयता से तय हो मीडिया की प्रतिष्ठा

वरिष्ठ पत्रकार पद्मश्री आलोक मेहता का विशेष लेख... पेज-4

आज का कार्टून



मेट्रो एंकर

फायनेंस किया गया वाहन लेने के लिए कंपनी को कानूनी प्रक्रिया अपनानी होगी

किस्त नहीं भरी तो गुंडों से गाड़ी नहीं उठवा सकती कंपनी: हाईकोर्ट

प्रयागराज, एजेंसी

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कर्ज की किस्तें जमा नहीं करने पर जबरदस्ती वाहन जब्त करने वाली फाइनेंस कंपनियों को सख्त संदेश दिया है। अदालत ने साफ कहा कि कोई भी फाइनेंस कंपनी कर्ज की अदायगी में चूक होने पर गुंडों या रिकवरी एजेंटों के जरिए किसी का वाहन नहीं उठवा सकती। कंपनी को वाहन वापस लेने का अधिकार हो सकता है, लेकिन उसे तय कानूनी प्रक्रिया अपनानी होगी।



तो... दमनकारी शक्ति मिल जाएगी

हाईकोर्ट ने कहा कि अगर समझौते में वाहन वापस लेने की शर्त का सीधा और मनमाना अर्थ निकालकर जबरन वसूली की अनुमति दी जाती है, तो इससे निजी कंपनी को दमनकारी शक्ति मिल जाएगी। अदालत ने कहा कि कर्ज लेने वाले व्यक्ति का रास्ता रोककर जबरदस्ती वाहन छीनना कानून के मुताबिक सही नहीं है। अदालत ने यह भी ध्यान दिया कि सादाब ने 45 में से 31 किस्तें जमा कर दी थीं। इसके बावजूद उनका वाहन हाईवे पर बंदूक की नोक पर जब्त कर लिया गया। अदालत के सामने इस आरोप से कभी इनकार नहीं किया गया। हाईकोर्ट ने फाइनेंस कंपनी को बिना किसी पूर्व शर्त के सादाब का वाहन तत्काल वापस करने का निर्देश दिया। साथ ही कंपनी से कहा कि वह बिना ब्याज लगाए उनके बकाया कर्ज का निर्धारण करे। फाइनेंस कंपनी पर 10 हजार रुपये का हर्जाना भी लगाया गया।

यह मामला सादाब अहमद की याचिका से जुड़ा है। उन्होंने दिसंबर 2023 में टाटा कंपनी का एक मालवाहक वाहन खरीदा था। इस वाहन को एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज ने फाइनेंस किया था। इसके लिए 64,059 रुपये की 45 किस्तों में कर्ज चुकाने का समझौता हुआ था। याचिका के मुताबिक, 9 अगस्त 2026 को फाइनेंस कंपनी के लिए काम करने वाले कुछ लोगों ने चंदौली में सादाब को रास्ते में रोक लिया। आरोप है कि उन्होंने बंदूक की नोक पर धमकाकर वाहन छीन लिया। इसके बाद जब्त की गई संपत्तियों की सूची पर उनसे दस्तखत भी करा लिए गए।

सादाब ने इस घटना की शिकायत फाइनेंस कंपनी के साथ स्थानीय पुलिस और जिला मजिस्ट्रेट से भी की थी। इसके बाद वे वाहन वापस दिलाने के लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट पहुंचे। याचिका पर जस्टिस जेजे मुनीर और जस्टिस इंद्रजीत शुक्ल की खंडपीठ ने सुनवाई की। अदालत ने कहा कि फाइनेंस कंपनी को खरीद-बिक्री समझौते के तहत वाहन जैसी चल संपत्ति वापस लेने का अधिकार हो सकता है। लेकिन इस अधिकार का इस्तेमाल कानून की उचित प्रक्रिया के जरिए ही किया जा सकता है। कंपनी रिकवरी एजेंटों या गुंडों के बल पर वाहन जब्त नहीं कर सकती।

उगते सूर्य को अर्घ्य देकर मांगी सुख-समृद्धि..और पूरा हुआ चार दिनी छठ महापर्व

भोपाल। लोक आस्था और सूर्य उपासना का चार दिवसीय महापर्व छठ आज सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही संपन्न हो गया। शीतलदास की बगिया, कमला पार्क सहित विभिन्न छठ घाटों पर सुबह से ही व्रतियों और श्रद्धालुओं की भीड़ जुटी। व्रतियों ने पानी में खड़े होकर उगते सूर्य को जल और गाय के कच्चे दूध से अर्घ्य अर्पित किया। व्रतियों ने परिवार की सुख-समृद्धि, खुशहाली और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। इसी के साथ 36 घंटे के निर्जला व्रत का समापन हुआ। व्रतियों ने परिवार के सदस्यों और परिचितों के बीच प्रसाद वितरित किया। घाटों पर सुबह से ही पारंपरिक छठ गीत गूंजते रहे। छठ पूजा के अंतिम दिन व्रतियों ने बांस के सूप में ठेकुआ महाप्रसाद, केला, नारियल, ऋतु फल, अक्षत और अन्य पूजन सामग्री सजाई। बच्चों का उत्साह भी इस त्योहार पर देखते ही बना।







सौभाग्य का वरदान भी मांगा

सुबह सूर्य के इंतजार में व्रती जल में उतरकर आराधना करते रहे। जैसे ही सूर्यदेव की झलक नजर आई, घाटों पर अर्घ्य देने का सिलसिला शुरू हुआ। इसके बाद महिलाओं ने एक-दूसरे को सिंदूर लगाकर सौभाग्य का वरदान मांगा।

न्यूज विंडो

इज्तिमा में अस्थायी दुकानों कीसंख्या 200 से बढ़कर हुई 300

भोपाल। ईटखेड़ी-घासीपुरा, बैरसिया रोड पर 4 से 7 दिसंबर तक होने वाले 79वें आलमी तब्लीगी इज्तिमा स्थल पर अस्थायी दुकानों की संख्या 200 से बढ़ाकर 300 कर दी गई है। दुकानों का आवंटन को लॉटरी से होना है। इज्तिमा कमेटी इस बार जल संरक्षण पर विशेष ध्यान दे रही है। पानी की पाइपलाइन और नली को सुरक्षित रखने, रिसाव रोकने व पानी की बर्बादी रोकने के लिए लोगों को जागरूक कर रही है।

सैनिक विश्राम गृह के पास से चोरी हुई कार बरामद, बदमाश भी गिरफ्तार

भोपाल। टीटी नगर पुलिस ने एक बदमाश को गिरफ्तार कर चोरी की कार बरामद की है। बदमाश पर पहले से शहर के विभिन्न थानों में 36 मामले दर्ज हैं। पुलिस ने बताया, नवल मोहल्ला, रोशनपुरा, थाना अरेरा हिल्स निवासी अकबर खां (38) को रोशनपुरा से दबोचा है। उससे चोरी की ऑल्टो कार बरामद हुई है। कार मोहसिन अंसारी की है। यह 6 नवंबर को सैनिक विश्राम गृह के सामने से चोरी हुई थी।

शाहपुरा से देवी मां की मूर्ति पर चढ़े सोने के जेवर उड़ा ले गए चोर

भोपाल। शाहपुरा के सी-सेक्टर स्थित शिव शक्ति मंदिर में चोरी हो गई। एक युवक मंदिर से देवी जी की मूर्ति पर चढ़े सोने के जेवर उतारकर ले भागा। पुलिस ने पुजारी की शिकायत पर चोरी का केस दर्ज किया है। मंदिर में देवी जी को सोने का मंगलसूत्र, नथ समेत अन्य जेवर चढ़ाए गए थे। पुजारी कार्तिकेय ने शाम में मंदिर का द्वार खोला और पीछे कमरे में चले गए। शाम 4:30 बजे मंदिर लौटे तो मूर्ति पर चढ़े जेवर नहीं थे। एक संदिग्ध युवक मंदिर से निकलकर भागता दिखा।

रायसेन रोड पर डंपर ने मारी टक्कर बाइक सवार सुरक्षा गार्ड की मौत

भोपाल। रायसेन रोड पर दीनस होटल के सामने मिट्टी से भरे डंपर की चपेट में आने से बाइक सवार गार्ड की मौत हो गई। चालक डंपर छोड़कर भाग गया। पिपलानी पुलिस के मुताबिक, रमेश अहिरवार मूलतः विदिशा जिले के ग्यारसपुर का रहने वाला था। निजी कॉलेज में तैनत गार्ड छावनी पठार में पत्नी और दो बच्चों के साथ रहता था। आनंदनगर से घर का सामान खरीदकर लौट रहा था। तभी डंपर ने टक्कर मार दी।

कलचुरी समाज ने मनाई शास्त्र भाव जयंती, आरती में उमड़े समाजजन



भोपाल। पुष्प नगर स्थित नारायण श्री होम्योपैथिक चिकित्सा महाविद्यालय एवं चिकित्सालय परिसर में कलचुरी समाज द्वारा शास्त्र भाव जयंती भक्तिभाव के साथ मनाई गई। इस अवसर पर महाआरती एवं पूजा-अर्चना की गई। इसमें समाज के वरिष्ठजनों, महिलाओं और युवाओं ने सहभागिता की। कार्यक्रम में महापौर मालती राय, अशोक राय और पप्पू राय सहित कई गणमान्यजन लोग मौजूद थे।

अफसर कह रहे-खाड़ी युद्ध का असर, विशेषज्ञ बोले-आम घरों में पोषण न कम हो जाए

डेयरी बोर्ड से समझौते के बाद 9 रुपए महंगा हो गया दूध

भोपाल। दोपहर मेट्रो

एक लीटर दूध लेने वाले हर परिवार का मासिक बजट 240 रुपए बढ़ा

प्रदेश में दूध की बढ़ती कीमतों ने आम लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। राज्य सरकार ने राज्य सहकारी दुग्ध महासंघ और उससे संबद्ध दुग्ध संघों का संचालन पांच साल के लिए नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड (एनडीडीबी) को सौंपने का निर्णय लिया है। सरकार का तर्क है कि इससे दुग्ध उत्पादकों को जहां बेहतर मूल्य मिलेगा। वहीं, प्रदेश में दूध उत्पादन और सहकारी नेटवर्क का विस्तार भी होगा। सरकार की इस मंशा से सिस्टम में बदलाव तो हो गए, लेकिन उपभोक्ताओं के लिए यह बदलाव महंगा ही साबित हो रहा है। दूध सस्ता होने के बाद महंगा ही होता जा रहा है। 13 अप्रैल 2025 में एनडीडीबी के साथ प्रबंधन समझौता होने के बाद मई 2025, मई 2026 और अब नवंबर में दूध के दाम में प्रत्याशित वृद्धि की गई है।

समझौते के बाद से उपभोक्ताओं को एक लीटर दूध के लिए 9 रुपए अतिरिक्त चुकाने पड़ रहे हैं। मई 2026 में दूसरी और नवंबर 2026 में तीसरी बड़ी मूल्य वृद्धि हुई है। मूल्य वृद्धि के चलते उपभोक्ता खुले दूध की तरफ जाने लगते हैं, कई बार वे मिलावटी दूध कारोबारियों के चक्कर में फंस जाते हैं। इस वृद्धि के पीछे अफसरों का तर्क है कि ईरान-अमेरिका युद्ध का असर भी है।



कब-कितनी कीमतें बढ़ीं

- अप्रैल 2025 से पहल कीमत 65 रुपए
- मई 2025 में कीमत 67 रुपए (वृद्धि : 2 रुपए)
- मई 2026 : कीमत 70 रुपए (वृद्धि : 3 रुपए)
- नवंबर 2026 : कीमत 74 रुपए (वृद्धि : 4 रुपए)

प्रदेश में साल-दर-साल दुग्ध संकलन

2022-23	2.95 लाख लीटर
2023-24	3.95 लाख लीटर
2024-25	3.15 लाख लीटर
2025-26	3.77 लाख लीटर

ऐसी है हालत

आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 2024-25 में भोपाल दुग्ध संघ ने दूध उत्पादकों को 485.39 करोड का भुगतान किया था। यह 2025-26 में बढ़कर 674.44 करोड़ रुपए का हो गया। यानी भुगतान में 39 प्रतिशत वृद्धि की गई। दूध संग्रह करने वाली सहकारी समितियों की संख्या भी 2,110 से बढ़कर 2,646 हो गई।

श्वेत क्रांति को समझे सरकार

आंकड़े जानकार बताते हैं, देश में श्वेत क्रांति की इसलिए हुई थी कि हर घर को पोषण के लिए जरूरी दूध मिले। लेकिन जिस तरह दरें बढ़ रही हैं। यह पोषण आम घरों से दूर हो जाएगा।

परिवार पर असर..लगातार बढ़ोतरी से बिगड़ा बजट

कोलार की मनीषा सिंह राजपूत का कहना है कि बार-बार दूध की दरों में वृद्धि का असर सीधे घरेलू बजट पर पड़ रहा है। अब फुल क्रीम और स्टैंडर्ड दूध के एक लीटर पैकेट की कीमत में 4 रुपए की बढ़ोतरी हुई है। हमारे परिवार में रोजाना दो लीटर दूध आता है। ऐसे में अब हर माह का खर्च ही 240 रुपए बढ़ जाएगा। यूं कहें तो अब एक साल में २८८० रुपए का भार परिवार पर पड़ेगा। प्रति लीटर दूध में 1-2 रुपए की बढ़ोतरी समझ में आती है। लेकिन एक बार में ६ फीसदी से ज्यादा की वृद्धि परेशान कर रही है। सालाना को सैलरी भी 8 फीसदी से ज्यादा नहीं हो रही। सरकार को इस बारे में सोचना चाहिए।

युद्ध से बढ़ी कीमतें

मप्र दुग्ध संघ फेडरेशन के प्रबंध संचालक जयदेव विश्वास का कहना है कि गल्फ वार से हर चीज की दरें बढ़ी हैं। मटेरियल और ईंधन की कीमतें अधिक हो गई हैं। सांची ही नहीं और भी दुग्ध संघों ने दरें बढ़ाई हैं। एनडीडीबी हर दिन 12 से 13 लाख लीटर दुग्ध खरीदता है, इसमें से 6 लाख लीटर उपभोक्ताओं के पास, 3 लाख अन्य संस्थानों और शेष बचने पर कुछ अमूल व मदर डेयरी को बेचते हैं।

पांच किमी दूर से दिखा धुएं का गुबार

कल सुप्रीम कोर्ट में आदमपुर खंती के मामले में सुनवाई.. आज लग गई आग



भोपाल। दोपहर मेट्रो

आदमपुर स्थित कचरा खंती में आज सुबह आग लग गई। प्लास्टिक प्लांट में लगी आग से 20 फीट ऊंची लपटें उठीं। धुएं का गुबार 5 किलोमीटर दूर से दिखाई दिया। दमकलें आग पर काबू पाने की कोशिश में करती रहीं। खंती के साथ आसपास के फायर स्टेशनों से भी दमकलें पहुंची। आदमपुर स्थित 5 टन प्रतिदिन क्षमता का यह प्लास्टिक प्लांट पीपीपी मोड पर है। इसे टेराफॉर्म संस्था चल रही है। निगम अफसरों के अनुसार, अज्ञात कारणों से आग लग गई। इसे काबू में कर लिया गया। निगम की आदमपुर वेस्ट प्रोसेसिंग साइट में आगजनी की घटना का कोई भी प्रभाव नहीं हुआ है। उपायुक्त भुवन गुप्ता ने बताया कि आग लगने के मामले की जांच की जा रही है। आदमपुर खंती के कचरे को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है। 17 नवंबर को सुनवाई होनी है। जिसमें खंती से कचरा हटाने के आदेश होने की उम्मीद है। इससे पहले ही आग लग गई।

कचरे से आसपास के क्षेत्रों में पानी हो चुका है खराब

कचरा खंती और प्लास्टिक प्लांट आदमपुर में है। इसलिए इसे आदमपुर खंती कहा जाता है। कचरे के इस पहाड़ से आसपास के इलाकों का भूजल दूषित हो गया है। इस वजह से लोग टैंकरों से पानी की आपूर्ति कर रहे हैं। इस साल चौथी बार आग लगी है। हालांकि, पहले हल्की आग लगती आई है। खंती में हर साल आगजनी की घटना को देखते हुए यहां स्थायी तौर पर दमकलें तैनात की गई हैं, लेकिन आग इतनी भीषण हो जाती है कि उसे समय रहते बुझाया नहीं जा सकता।

बीएसआई के मानक पर फिट लिफ्ट ही लगाई जा सकेगी, सुरक्षा ऑडिट भी करानी होगी

लिफ्ट के लिए नया कानून, रजिस्ट्रेशन और थर्ड पार्टी बीमा जरूरी

भोपाल। दोपहर मेट्रो

प्रदेश में अब हर सोसाइटी, मॉल, बहुमंजिला इमारत के मालिक को लिफ्ट संचालन के लिए उसका पंजीयन और बीमा (थर्ड पार्टी इंश्योरेंस) कराना अनिवार्य होगा। इतना ही नहीं हर लिफ्ट के लिए समय-समय पर अधिकृत तकनीकी विंग या लिफ्ट इंस्पेक्टर द्वारा सुरक्षा ऑडिट कराना होगा। इसके बाद ही लिफ्ट का फिटनेस सर्टिफिकेट रिन्यू होगा। बिना वैध फिटनेस सर्टिफिकेट के लिफ्ट चलाना अवैध होगा। किसी अधिकारी को जांच से रोकने या किसी भी लिफ्ट दुर्घटना को छुपाने पर दो साल तक की कैद और जुर्माने की सजा हो सकेगी। राज्य में केवल वही लिफ्ट लग सकेंगी जो ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड्स (बीएसआई) के नए और वैश्विक सुरक्षा मानकों के अनुरूप हों। बिजली जाने या तकनीकी खराबी होने पर लिफ्ट हवा में बीच में न अटके, इसके लिए हर लिफ्ट में आटो रेस्क्यू डिवाइस अनिवार्य होगा। लिफ्ट के भीतर सीसीटीवी कैमरा, पर्याप्त रोशनी, आपातकालीन घंटी और लिफ्ट के बाहरी संपर्क साधने के लिए इंटरनेट या इंटरकाम आधारित कम्युनिकेशन लाइन का होना अनिवार्य रहेगा। सरकार ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है।

यूपी-महाराष्ट्र की तर्ज पर कानून

इसका प्रावधान महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश की तर्ज पर तैयार मध्य प्रदेश लिफ्ट एवं एस्केलेटर एक्ट के प्रारूप में किया गया है। इसे जल्द विधानसभा में प्रस्तुत करने की तैयारी है। ऑनलाइन पोर्टल के जरिये होगी रखरखाव की ट्रैकिंग लिफ्ट और एस्केलेटर के मेंटेनेंस (रखरखाव) की पूरी ट्रैकिंग ऑनलाइन पोर्टल के जरिए होगी।

इस वर्ष हो चुकी हैं इतनी दुर्घटनाएं

इंदौर (22 सितंबर): नवलखा काम्प्लेक्स में पुरानी लिफ्ट की केबल टूटी, 7 लोग घायल।
रीवा (30 अगस्त): निजी अस्पताल में लिफ्ट दुर्घटना में फंसे मरीज की गर्दन दबने से मौत।
जबलपुर (3 जुलाई): रिछाई औद्योगिक क्षेत्र की नमकीन फैक्ट्री में सफाई कर रही महिला कर्मचारी पर लिफ्ट गिरने से मौत।
भोपाल (29 अप्रैल): एमपी नगर जोन-2 स्थित सागर प्लाजा की लिफ्ट हादसे में सात लोग घायल हो गए।

सोने-चांदी समेत 4 चेन लूटी, सीसीटीवी फुटेज से पकड़ाए

कोलार में पटाखे फोड़ रहे चार दोस्तों को लूटा, 3 गिरफ्तार

भोपाल। दोपहर मेट्रो

सुनसान सड़क पर दोस्तों के साथ पटाखे फोड़ने पहुंचे 4 युवक-युवतियों के लिए रात खौफनाक बन गई। बाइक से पहुंचे 3 बदमाशों ने गाली-गलौज की और फिर चाकू दिखाकर चारों के गले से चेन छीनकर फरार हो गए। रातीबड़ पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों की मदद से वारदात में शामिल तीनों बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया है। बलराम, रामपाल और सौरभ उर्फ बारिक को गिरफ्तार कर लिया। इनमें दो आरोपी कोलार रोड के ओम नगर और एक कमला नगर के बापू नगर का रहने वाला है। तीनों को तीन दिन की रिमांड पर लिया है। रातीबड़ थाना प्रभारी रासबिहारी शर्मा के मुताबिक, कोलार रोड निवासी 18 वर्षीय संस्कृति गौर रात करीब साढ़े 8 बजे सहेली और दोस्त देव व वंश के साथ कार से कलियासोत रोड पहुंची थी। चारों सड़क किनारे रुककर पटाखे फोड़ रहे थे। तभी 3 युवक वहां पहुंचे। उन्होंने अभद्रता की। चाकू दिखाकर धमकाया और सोने के चेन छीन लिए।

मेट्रो एंकर अवैध कॉलोनी काटने वाले 200 कॉलोनाइजर की सूची बनी, पर एफआईआर सिर्फ 12 पर ही

शहर में अवैध कॉलोनियों का जाल, प्रशासन के पास आंकड़ा ही नहीं, निगम के कॉलोनी सेल में 50 फीसदी शिकायतें ऐसी ही

भोपाल। दोपहर मेट्रो

शहर में अवैध कॉलोनियों लगातार काटी जा रही हैं। लेकिन जिला प्रशासन और नगर निगम के पास इनकी मौजूदा संख्या का कोई स्पष्ट आंकड़ा नहीं है. हैरानी की बात यह है कि कलेक्टर की गठित कॉलोनी सेल में आने वाली 50 प्रतिशत से अधिक शिकायतें अवैध कॉलोनियों से जुड़ी हैं, इसके बावजूद इनके खिलाफ अब तक कोई बड़ी कार्रवाई नहीं हो पाई है। सेल के गठन को तीन माह से अधिक समय बीत चुका है, और इस दौरान बिल्डरों के खिलाफ कार्रवाई के नाम पर सूचियां तो बनीं, लेकिन जमीन पर उसका असर नजर नहीं आया। खास यह है कि पहले हुए सर्वे में 600 अवैध कॉलोनियां सामने आई थीं। इसके बाद भी शहर के बाहरी और कृषि भूमि वाले क्षेत्रों में कॉलोनियां विकसित होने का सिलसिला नहीं रुका। प्रशासन ने अवैध कॉलोनियां विकसित करने वाले 200 से अधिक कॉलोनाइजरों की सूची बनाई। लेकिन 12 ही केस दर्ज किया।



नगर निगम ने ऐसी ही अवैध कॉलोनी में जून में कार्रवाई की थी।

खेतों में ही बिना अनुमति कर दी प्लॉटिंग

कॉलोनी सेल में ऐसी शिकायतें भी आ रही हैं, जिनमें कृषि भूमि पर प्लॉट काटकर बेच दिए गए हैं। इन प्लॉटों के लिए न तो रेरा में पंजीयन कराया गया और न ही टीएंडसीपी सहित जरूरी अनुमतियां ली गईं। प्रशासन ने 200 से अधिक कॉलोनाइजरों की सूची तो तैयार की, लेकिन कार्रवाई अब तक सीमित मामलों तक ही है। कॉलोनी सेल में पहुंचीं शिकायतों के अनुसार कई बिजली, पानी और सीवेज की व्यवस्था तक बिल्डर नहीं दी। सस्ती दरों पर प्लॉट और मकान बेचकर वे चंपत हो गए। अब लोग सुविधाओं के लिए तरस रहे हैं। खास यह है कि सेल में शिकायतें पहुँचने के बाद भी अधिकांश मामलों में ठोस समाधान नहीं हो पा रहा है। अवैध कॉलोनियों के खिलाफ कानून में सख्त प्रावधान किए गए हैं, जिसके तहत दोषी कॉलोनाइजर को अधिकतम तीन साल की सजा और एक लाख रुपए तक जुर्माने का प्रावधान है। इसके बावजूद कार्रवाई की रफ्तार बेहद धीमी है। पहले भी कई बिल्डरों के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई, लेकिन सालों बाद भी कई मामलों में चालान पेश नहीं हो सके।

पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन ने सीएम को लिखा पत्र

महंगाई राहत के भुगतान में देरी और अवधि में कटौती से आक्रोशित पेंशनर

भोपाल। दोपहर मेट्रो

महंगाई राहत के भुगतान में देरी और प्रभावी अवधि में कटौती को लेकर प्रदेश के पेंशनरों में नाराजगी बढ़ रही है। पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन ने इस विसंगति के विरोध में मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव एवं वित्त विभाग के अपर मुख्य सचिव को पत्र लिखकर तत्काल हस्तक्षेप और स्थायी प्रशासनिक नीति बनाने की मांग की है। एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष आमोद सक्सेना ने बताया कि केंद्र सरकार ने 1 जनवरी 2026 से महंगाई राहत में 2 प्रतिशत वृद्धि की, लेकिन प्रदेश के पेंशनरों को इसका लाभ 1 जुलाई 2026 से दिया गया। इससे जनवरी से जून तक का लाभ नहीं मिला। वहीं, 1 जुलाई 2026 से प्रस्तावित 3 प्रतिशत अतिरिक्त वृद्धि का भुगतान भी अब तक नहीं हुआ है।

63 फीसदी डीए जल्द दें

एसोसिएशन के संरक्षक गणेश दत्त जोशी ने पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के हालिया फैसले का हवाला दिया। जिलाध्यक्ष सुरेश शर्मा ने जनवरी से जून तक के 2 प्रतिशत बकाया एरियर्स तथा जुलाई से कुल 63 प्रतिशत महंगाई राहत शीघ्र देने की मांग की। संतोष ठाकुर, शैलेन्द्र श्रीवास्तव, रामगोपाल माथुर ने केंद्र के समान प्रभावी तिथि से राहत देने की स्थायी व्यवस्था लागू करने की मांग की।

प्रदेश के ढाई लाख आउटसोर्स कर्मचारियों की नौकरी पर संकट

फोर्थ ग्रेड छोड़कर बाकी की सेवाएं खत्म होंगी, खाली पदों पर स्थायी भर्ती की तैयारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश सरकार ने विभागों में नियमित पदों (स्थायी और अस्थायी) के विरुद्ध आउटसोर्सिंग से ली जा रही सेवाओं को समाप्त करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग की उप सचिव किरण गुप्ता ने वित्त विभाग के दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए 31 मार्च 2027 तक जरूरी कार्रवाई पूरी करने के निर्देश दिए हैं। अस्थायी आउटसोर्स कर्मचारी मोर्चा के अध्यक्ष वासुदेव शर्मा के मुताबिक, प्रदेश में चतुर्थ श्रेणी को छोड़कर करीब 2 से ढाई लाख आउटसोर्स कर्मचारियों की सेवाएं समाप्त हो सकती हैं। उनके अनुसार, प्रदेश के विभिन्न विभागों में 5 लाख से अधिक आउटसोर्स कर्मचारी काम कर रहे हैं।

इनमें तृतीय श्रेणी के पदों पर डेटा एंट्री ऑपरेटर, कंप्यूटर ऑपरेटर और ऑफिस असिस्टेंट सहित अन्य काम करने वाले कर्मचारी शामिल हैं। बिजली कंपनियों, स्वास्थ्य विभाग, नगरीय निकायों, पंचायतों, कलेक्ट्रेट, शिक्षा, लोक निर्माण और जल संसाधन विभाग में भी आउटसोर्स कर्मचारी सेवाएं दे रहे हैं। आदेश के मुताबिक, जिन विभागों में वित्त विभाग की सहमति से रिक्त नियमित पदों के विरुद्ध सीमित समय के लिए आउटसोर्स कर्मचारी रखे गए हैं, वहां चतुर्थ श्रेणी को छोड़कर बाकी आउटसोर्स नियोजन मार्च 2027 से पहले समाप्त किए जाएंगे। इनकी जगह वित्त विभाग के 18 नवंबर 2024 के परिपत्र के तहत जरूरत के अनुसार नियमित पदों पर भर्ती की जाएगी। हालांकि, किसी विशेष परिस्थिति में यदि मार्च 2027 के बाद भी आउटसोर्स कर्मचारियों की सेवाएं जारी रखना जरूरी हुआ, तो संबंधित श्रेणी के नियमित पद समाप्त कर दिए जाएंगे।



तीन संस्थानों को कार्रवाई पूरी करने के निर्देश

योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग ने आर्थिक एवं सांख्यिकी संचालनालय के आयुक्त, मध्यप्रदेश राज्य नीति आयोग के मुख्य कार्यपालक अधिकारी और मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के कार्यपालक निदेशक को पत्र भेजा है। इसमें तय समय-सीमा में कार्रवाई पूरी कर उसकी रिपोर्ट विभाग को देने के निर्देश दिए गए हैं। इस फैसले से नियमित पदों पर भर्ती का रास्ता खुलने की उम्मीद है, वहीं चतुर्थ श्रेणी को छोड़कर अन्य श्रेणियों के आउटसोर्स कर्मचारियों की नौकरियों पर संकट खड़ा हो सकता है।

नियमित पदों पर आउटसोर्स भर्ती पर पहले से रोक | राज्य शासन ने पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि नियमित स्वीकृत पदों के विरुद्ध आउटसोर्स या संविदा कर्मचारियों की नियुक्ति नहीं की जाएगी। 22 दिसंबर 2025 को जारी पद-संरचना संबंधी दिशा-निर्देशों में यह भी कहा गया था कि आउटसोर्स कर्मचारियों के लिए अलग से पद सृजित नहीं किए जाएंगे। इसके अलावा, जनवरी 2026 में सरकार ने 31 मार्च 2023 का वह पुराना आदेश निरस्त कर दिया था, जिसके तहत विभागाध्यक्ष अपने स्तर पर चतुर्थ श्रेणी के पदों पर आउटसोर्स भर्ती कर रहे थे। सरकार ने कहा था कि नियमित भर्ती की प्रक्रिया आगे बढ़ने के कारण आउटसोर्स व्यवस्था सीमित की जा रही है।

नियमों में बड़ा बदलाव

वित्त विभाग के 22 दिसंबर 2025 के आदेश के मुताबिक, चतुर्थ श्रेणी को छोड़कर खाली सरकारी पदों पर रखे गए आउटसोर्स कर्मचारियों की सेवाएं मार्च 2027 से पहले खत्म होंगी। इनकी जगह 18 नवंबर 2024 के नियमों के तहत सीधी भर्ती होगी। इसके बाद भी आउटसोर्स से काम कराने पर संबंधित श्रेणी के सरकारी पद हमेशा के लिए खत्म कर दिए जाएंगे। 16 दिसंबर 2025 के कैबिनेट फैसले के मुताबिक, विशेष प्रोजेक्ट्स को छोड़कर सभी विभागों के मौजूदा अस्थायी पद स्थायी किए जाएंगे। इसके लिए विभागों को भर्ती नियमों में बदलाव करना होगा। निर्माण कार्य टेंडर से होने के कारण कार्यभारित और आकस्मिकता निधि वाले पदों की जरूरत खत्म मानी गई है। वहीं, 2016 की नीति के तहत बने स्थायीकर्मी और स्थायी वर्गीकृत कर्मचारियों के पद डाइंग कैडर घोषित किए गए हैं। इन पर अब नई भर्ती नहीं होगी और खाली पद भी नहीं भरे जाएंगे।

जनजातीय गौरव दिवस पर मुख्यमंत्री मोहन यादव का बड़ा ऐलान, बोले-

नर्मदा जल से बदलेगी मालवा-निमाड़ की तस्वीर, कम बारिश से प्रभावित किसानों को दिया जाएगा मुआवजा



भोपाल, दोपहर मेट्रो

भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती और जनजातीय गौरव दिवस पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को आलीराजपुर जिले के जोबट में विकास की कई बड़ी सौगातें दीं। उन्होंने करीब 1400 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित डही सूक्ष्म उद्वहन सिंचाई परियोजना का शुभारंभ कर धार, झाबुआ और आलीराजपुर के किसानों को बड़ी राहत दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि नर्मदा का जल अब इस अंचल की खेती की तस्वीर बदलेगा। किसानों की मेहनत को पानी मिलेगा और उनकी समृद्धि का नया रास्ता खुलेगा। उन्होंने अगले कुछ वर्षों में प्रदेश का सिंचाई रकबा एक करोड़ हेक्टेयर तक पहुंचाने का लक्ष्य भी दोहराया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने 57 करोड़ रुपये से अधिक के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने मात्र 25 वर्ष की आयु में अंग्रेजों को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया था। उनके समाज और राष्ट्रहित में किए गए कार्यों तथा आदर्शों ने उन्हें जननायक और पूजनीय बनाया। चंद्रशेखर आजाद और झीतू किराड़े जैसे वीर सपूत भी स्वतंत्रता आंदोलन के अद्भुत योद्धा थे। जनजातीय नायकों ने देश का मान-सम्मान बढ़ाने के साथ स्वतंत्रता और राष्ट्र की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर किया।

61 लाख हेक्टेयर तक पहुंचा सिंचाई का रकबा

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2002-03 तक मध्यप्रदेश में सिंचाई का रकबा केवल 7.5 लाख हेक्टेयर था। इसके बाद करीब 20 वर्षों में इसमें 40 लाख हेक्टेयर की वृद्धि हुई। वर्तमान में प्रदेश का सिंचित क्षेत्र बढ़कर 61 लाख हेक्टेयर हो गया है। डही सूक्ष्म उद्वहन सिंचाई परियोजना से इसमें एक लाख हेक्टेयर की और वृद्धि होगी। अगले कुछ वर्षों में इसे एक करोड़ हेक्टेयर तक पहुंचाने का लक्ष्य है। अब किसानों को सिंचाई के लिए दिन में बिजली उपलब्ध कराई जा रही है। इससे खेती की लागत और परेशानियां कम होंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष आलीराजपुर और आसपास के क्षेत्रों में कम बारिश हुई है। सरकार संकट की इस घड़ी में किसानों के साथ खड़ी है। उन्होंने कलेक्टर को फसलों का सर्वे कराकर

47 हजार करोड़ हुआ अजा-जजा विभाग का बजट

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2002-03 में अनुसूचित जाति-जनजाति विभाग का बजट केवल 651 करोड़ रुपये था, जिसे बढ़ाकर अब 47 हजार करोड़ रुपये कर दिया गया है। ग्रामीण परिवारों को संपत्ति का पक्का मालिकाना हक दिलाने के लिए मुख्यमंत्री रजिस्ट्री योजना के तहत सरकार 10 हजार करोड़ रुपये खर्च कर रही है। अब तक 20 लाख 50 हजार से अधिक हितग्राहियों की निःशुल्क रजिस्ट्री की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। राजस्व विभाग के अधिकारी और पटवारी घर-घर जाकर पात्र लोगों को लाभ दे रहे हैं।

ई-अटेंडेंस से शिक्षकों के वेतन में कटौती की तैयारी

संगठनों ने दी ऐप के सामूहिक बहिष्कार की चेतावनी, कहा- प्रदेशभर के टीचर्स करेंगे विरोध

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश के सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की उपस्थिति अब ई-अटेंडेंस ऐप के जरिए दर्ज की जा रही है। शिक्षकों और शिक्षक संगठनों के लगातार विरोध के बावजूद यह व्यवस्था लागू की गई है और अब प्रदेशभर में इसका क्रियान्वयन हो रहा है। अब इसी ऐप के जरिए शिक्षकों की उपस्थिति के आधार पर वेतन की गणना और भुगतान करने की व्यवस्था शुरू करने की तैयारी है। राज्य शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष एवं अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा के संयोजक जगदीश यादव ने कहा कि प्रदेश के शिक्षकों में ई-अटेंडेंस व्यवस्था को लेकर पहले से ही असंतोष है। यदि हमारे शिक्षक ऐप की ई-अटेंडेंस को सीधे वेतन भुगतान से जोड़कर देरी से उपस्थिति दर्ज होने पर स्वतः वेतन कटौती की व्यवस्था लागू की गई, तो प्रदेशभर के शिक्षक सामूहिक रूप से ऐप को अनइंस्टॉल कर इसका बहिष्कार करने के लिए बाध्य होंगे।

तकनीकी और व्यावहारिक समस्याओं की अनदेखी

यादव ने कहा कि ऐप की तकनीकी खामियों, नेटवर्क संबंधी समस्याओं, सर्वर उपलब्ध नहीं होने और ग्रामीण क्षेत्रों में कनेक्टिविटी की दिक्कतों के कारण समय पर ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज नहीं हो पाती। इसके अलावा शिक्षकों के पारिवारिक और सामाजिक दायित्वों, आकस्मिक परिस्थितियों तथा जनगणना, निर्वाचन और अन्य शासकीय गैर-शैक्षणिक कार्यों में ड्यूटी के कारण भी विद्यालय पहुंचने या ऐप पर हाजिरी लगाने में देरी हो सकती है। जगदीश यादव ने कहा कि ऐसी परिस्थितियों में बिना मानवीय परीक्षण, स्पष्टीकरण और सुनवाई का अवसर दिए ऐप के माध्यम से स्वतः वेतन कटौती करना किसी भी दृष्टि से न्यायसंगत नहीं होगा। उन्होंने कहा कि इसका सीधा असर प्रदेश के हजारों शिक्षक परिवारों की आर्थिक स्थिति पर पड़ेगा। शिक्षक संगठनों का मत है कि उपस्थिति दर्ज करने की तकनीकी व्यवस्था को वेतन कटौती का स्वचालित माध्यम नहीं बनाया जाना चाहिए। किसी तकनीकी त्रुटि या परिस्थितिजन्य देरी को शिक्षक की लापरवाही मानकर बिना जांच आर्थिक दंड देना प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के भी विपरीत है।



ई-अटेंडेंस स्वैच्छिक रखने की मांग

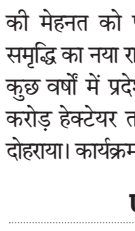
शिक्षक संगठनों ने शासन से मांग की है कि ई-अटेंडेंस व्यवस्था पूरी तरह स्वैच्छिक रखी जाए और इसे किसी भी स्थिति में वेतन भुगतान से न जोड़ा जाए। उनका कहना है कि शिक्षा की गुणवत्ता का मूल्यांकन शिक्षक की निष्ठा, कार्यक्षमता और विद्यार्थियों के शैक्षणिक हितों के आधार पर होना चाहिए, न कि किसी ऐप की तकनीकी रिपोर्ट के आधार पर। मोर्चा संयोजक ने कहा कि शिक्षक समाज अनुशासन और जवाबदेही का विरोधी नहीं है, लेकिन तकनीकी अव्यवस्था का खामियाजा आर्थिक दंड के रूप में स्वीकार नहीं करेगा। यदि शिक्षक हितों की अनदेखी कर कोई एकतरफा निर्णय थोपा गया, तो प्रदेशव्यापी सामूहिक प्रतिरोध और ऐप बहिष्कार का रास्ता अपनाया जाएगा।

पीसीसी चीफ पटवारी ने भरी हुंकार

भाजपा सरकार के सत्ता में अब गिनती के दिन बाकी, 812 दिन बाद बनेगी कांग्रेस की सरकार

ग्वालियर, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए दावा किया कि प्रदेश में भाजपा की सत्ता के दिन अब गिनती के रह गए हैं। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने में अब केवल 812 दिन बचे हैं। पटवारी ने प्रदेश में भ्रष्टाचार, बढ़ते कर्ज, आदिवासियों पर अत्याचार और कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर सरकार को घेरा। उन्होंने ऐलान किया कि 26 नवंबर को भोपाल में कांग्रेस एक बड़ा मार्च निकालेगी, जिसमें एक लाख से अधिक लोगों को जुटाने की तैयारी है। उन्होंने कहा कि इस आंदोलन के जरिए भाजपा सरकार की कथित साजिशों और विफलताओं को जनता के सामने उजागर किया जाएगा।



पटवारी ने कहा कि 26 नवंबर को भोपाल में होने वाला मार्च प्रदेश की राजनीति में महत्वपूर्ण होगा। इसमें वोटों की चोरी, भ्रष्टाचार और कानून-व्यवस्था की बदहाली जैसे मुद्दे उठाए जाएंगे। कांग्रेस की तैयारी एक लाख से अधिक लोगों को जुटाने की है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के कथित जनविरोधी एजेंडे को जनता के सामने लाकर उसके खिलाफ आवाज बुलंद की जाएगी। पटवारी ने आरोप लगाया कि भ्रष्टाचार मध्य प्रदेश की सरकारी व्यवस्था की जड़ों तक पहुंच चुका है। परिवहन और आबकारी मंत्री के विशेष कार्य अधिकारी करोड़ों रुपये की रिश्वत लेते पकड़े गए। उन्होंने ग्वालियर के पुलिस अधीक्षक और कलेक्टर पर भी गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि वे 500 प्रतिशत लेनदेन करके आए हैं। यदि ऐसा नहीं है तो अधिकारी उन्हें चुनौती दें। पटवारी ने कहा कि सरकारी तंत्र को भ्रष्टाचार से मुक्त करना है तो पंचायत से लेकर संसद तक भाजपा को हराना होगा।

आदिवासी दिवस की छुट्टी का दिया उदाहरण

आदिवासी समाज के मुद्दे पर पटवारी ने भाजपा के आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार ने ही 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस पर सार्वजनिक अवकाश घोषित किया था। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने आदिवासी समाज के साथ छल किया है और आदिवासियों पर अत्याचार की तमाम सीमाएं पार हो चुकी हैं। ऐसी सरकार को सत्ता में बने रहने का कोई अधिकार नहीं है। प्रदेश की आर्थिक स्थिति पर सवाल उठाते हुए कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा सरकार कर्ज, कमीशन और भ्रष्टाचार का सबसे बड़ा चेहरा बन गई है। सरकार लगातार कर्ज ले रही है। तीन दिन पहले 4600 करोड़ रुपये का कर्ज लिया गया और अब फिर 3000 करोड़ रुपये का कर्ज लिया जा रहा है।

किसानों के अपमान पर भाजपा से मांगा जवाब

पटवारी ने भाजपा सांसद जनार्दन मिश्रा द्वारा किसानों को कथित तौर पर गाली दिए जाने का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि भाजपा को इस मामले में जवाब देना चाहिए। कांग्रेस अध्यक्ष ने दावा किया कि प्रदेश की जनता भाजपा सरकार से परेशान है और आने वाले समय में उसे सत्ता से बाहर करेगी। उन्होंने एक बार फिर दोहराया कि मध्य प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने में अब सिर्फ 812 दिन शेष हैं।

18 दिसंबर को सीएम हाउस घेराव करेगी सपा, प्रदेश अध्यक्ष बोले

आरक्षण पर शिवराज ने ठगा, मोहन सरकार भी कोर्ट में तथ्य नहीं रख पाई

भोपाल, दोपहर मेट्रो



सपा के मध्यप्रदेश अध्यक्ष डॉ. मनोज यादव ने राज्य सरकार की नीतियों, ओबीसी आरक्षण, किसानों की समस्याओं, बढ़ती महंगाई और विभागीय भ्रष्टाचार के मुद्दों को लेकर आंदोलन का ऐलान किया है। डॉ. यादव ने बताया कि सपा 18 दिसंबर को भोपाल में मुख्यमंत्री और केंद्रीय कृषि मंत्री के आवास का घेराव करेगी। राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व में प्रदेशभर के कार्यकर्ता और किसान भोपाल में जुटेंगे। घेराव के बाद राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा। डॉ. मनोज यादव ने आरोप लगाया कि ओबीसी आरक्षण के मामले में पहले पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जनता को मामू बनाया और अब मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सरकार भी न्यायालय में सही तथ्य और आंकड़े प्रस्तुत करने में विफल रही है। डॉ. यादव ने मांग की कि सरकार विधानसभा का विशेष सत्र बुलाकर प्रदेश की 52 प्रतिशत से अधिक पिछड़ी आबादी के अनुपात में आरक्षण का प्रस्ताव पारित करे। उन्होंने सुझाव दिया कि तमिलनाडु की तर्ज पर इस आरक्षण को संविधान की 9वीं अनुसूची में शामिल करने के लिए केंद्र सरकार को सिफारिश भेजी जाए, ताकि इसे कानूनी बाधाओं से मुक्त किया जा सके।

शिक्षक पात्रता परीक्षा: 52 जिलों में बनेंगे परीक्षा केंद्र, 33,834 शिक्षक देंगे एग्जाम

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में शिक्षक पात्रता परीक्षा के लिए माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) ने सभी 52 जिलों के कलेक्टरों को परीक्षा केंद्र तय करने के निर्देश दिए हैं। जिलेवार अभ्यर्थियों की संख्या के आधार पर केंद्रों का निर्धारण किया जाएगा। इस बार प्रदेश में प्राथमिक और मिडिल स्तर के कुल 33,834 शिक्षक परीक्षा में शामिल होंगे। इनमें प्राथमिक स्तर के 15,176 और मिडिल स्तर के 18,658 अभ्यर्थी हैं। कलेक्टरों को परीक्षा केंद्रों की सूची 20 नवंबर 2026 तक मंडल को भेजनी होगी। माध्यमिक शिक्षा मंडल ने परीक्षा केंद्रों के निर्धारण के लिए कलेक्टर की अध्यक्षता में समिति गठित करने के निर्देश दिए हैं।



इसमें जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी, जिला परियोजना समन्वयक और जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के प्राचार्य या उनके प्रतिनिधि शामिल होंगे। परीक्षा केंद्र मुख्य रूप से शासकीय विद्यालयों में बनाए जाएंगे। जरूरत पड़ने पर उत्कृष्ट निजी विद्यालयों और अन्य शासकीय संस्थानों को भी केंद्र बनाया जा सकेगा।

20 नवंबर तक भेजनी होगी केंद्रों की सूची

मंडल ने निर्देश दिए हैं कि परीक्षा के दिन केंद्रों पर कोई दूसरी परीक्षा या गतिविधि आयोजित नहीं होनी चाहिए। केंद्रों पर गोपनीय सामग्री सुरक्षित रखने और प्रवेश पत्र वितरण की समुचित व्यवस्था भी सुनिश्चित करनी होगी। परीक्षा केंद्रों की सूची निर्धारित प्रारूप में एक्सेल फाइल के माध्यम से तैयार कर 20 नवंबर 2026 तक मंडल को भेजनी होगी। इसके लिए मंडल ने ई-मेल आईडी Email-ntse.mpbse@gmail.com पर सूची और एक्सेल फाइल भेजने के निर्देश दिए हैं।

मेट्रो एंकर

किसान कल्याण वर्ष में मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी की बड़ी पहल

किसानों को पांच रुपये में मिल रहा स्थायी बिजली कनेक्शन

अब तक 1 लाख 33 हजार 149 किसानों को सुविधा का मिल चुका है लाभ

ग्वालियर, दोपहर मेट्रो

किसान कल्याण वर्ष 2026 के तहत मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने किसानों को बड़ी राहत दी है। अब किसानों को खेतों में सिंचाई के लिए स्थायी कृषि पंप बिजली कनेक्शन लेने के लिए बड़ी रकम एकमुश्त खर्च नहीं करनी होगी। कंपनी की योजना के तहत मात्र पांच रुपये के प्रारंभिक शुल्क पर नए स्थायी कृषि पंप कनेक्शन दिए जा रहे हैं। भोपाल, नर्मदापुरम, ग्वालियर और चंबल संभाग के 16 जिलों में अब तक 1 लाख 33 हजार 149 किसानों को इस सुविधा का लाभ मिल चुका है। इससे किसानों को सिंचाई के लिए बिजली की उपलब्धता आसान बनाने में मदद मिल रही है।



भोपाल संभाग में एक लाख से ज्यादा किसानों को लाभ- कंपनी के अनुसार भोपाल रीजन के आठ जिलों में 1 लाख 1 हजार 942 किसानों को नए स्थायी कृषि पंप कनेक्शन दिए गए हैं। वहीं ग्वालियर रीजन के आठ जिलों में 31 हजार 207 किसानों को कनेक्शन उपलब्ध कराए जा चुके हैं। इस तरह दोनों रीजन में कुल 1 लाख 33 हजार 149 किसान योजना से लाभान्वित हुए हैं। योजना का उद्देश्य किसानों को कम शुरुआती खर्च में बिजली कनेक्शन उपलब्ध कराकर खेती और सिंचाई की सुविधा बढ़ाना है।

विद्युत केंद्र और 1912 पर कर सकते हैं संपर्क

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने किसानों से योजना का लाभ लेने की अपील की है। इच्छुक किसान नए स्थायी कृषि पंप कनेक्शन के लिए अपने नजदीकी विद्युत केंद्र या बिजली कंपनी के जोन कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं। इसके अलावा कंपनी के कॉल सेंटर नंबर 1912 पर फोन कर योजना की जानकारी और आवेदन प्रक्रिया के बारे में भी पता लगाया जा सकता है। कंपनी का कहना है कि इस पहल से किसानों को सिंचाई के लिए बिजली सुविधा उपलब्ध कराने में तेजी आएगी।

शेष राशि बिजली बिल के साथ किस्तों में

योजना की खास बात यह है कि जिन किसानों के खेत बिजली की उपलब्ध लाइन के नजदीक हैं, उन्हें केवल पांच रुपये के प्रारंभिक शुल्क पर कनेक्शन दिया जा रहा है। कनेक्शन के लिए निर्धारित शेष राशि का भुगतान किसान अपने मासिक बिजली बिल के साथ किस्तों में कर सकते हैं। इससे किसानों पर एकमुश्त आर्थिक बोझ नहीं पड़ेगा और वे आसानी से अपने खेतों में बिजली कनेक्शन ले सकेंगे।

भारत के असली जेन जी का कमाल !

पिछले दिनों दिल्ली में राष्ट्रीय पात्रता एवं प्रवेश परीक्षा (नीट) के बाद हुए एक आंदोलन ने भारत में 'जेन-जी' जैसे शब्द की नई परिभाषा दे दी। परिणाम यह हुआ कि हर तरफ उसकी चिंता होने लगी। किंतु उस आंदोलनरुपी उपद्रव के बाद भी अनेक घटनाओं ने यह सिद्ध किया कि भारत की नई पीढ़ी वह नहीं है, जो अराजकता में विश्वास करती है। देश का असली युवा वह है, जो नित्य नई ऊंचाइयों को छूने में विश्वास करता है। इसका प्रमाण शनिवार को अंडर-19 के एशिया कप के अंतिम मुकाबले में पाकिस्तान को हराना है। जिसमें भारत के नए खिलाड़ियों ने केवल एक मैच ही नहीं जीता, बल्कि देश और समाज को एक सुखद संदेश दिया। भारत ने मुकाबला नौवीं बार जीता, इसलिए जीत को केवल किसी आश्चर्य की नजर से नहीं देखा जा सकता। उसमें प्रतिभा में निरंतरता की ओर संकेत था। एक ओर जहां आठवें क्रम पर बल्लेबाजी करते हुए मोहित अल्वा जैसे खिलाड़ी ने 26 गेंदों पर नाबाद 49 रन बनाकर एक विकेट से रोमांचक जीत दिलाई, वहीं स्टार क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर ने टीम को 58 रन की मजबूत शुरुआत दी। कहा जा सकता है कि आर्यवीर को क्रिकेट की प्रतिभा विरासत में मिली, लेकिन गुजरात के जामनगर के खिलाड़ी ने अपने संघर्ष और मेहनत से यह पाया। वहीं दूसरी ओर टीम के कप्तान लक्ष्य रायचंदानी ने 80 रन और क्रिकेटर राहुल द्रविड़ के बेटे अन्वय द्रविड़ ने 19 रन बनाए। मनल चौहान ने मोहित के साथ भारत को जीत के लक्ष्य तक पहुंचाया। यदि इन कुछ नामों को देखा जाए तो कुछ खिलाड़ियों के पास अपने पिता की पहचान है। वहीं दूसरी ओर तीन ऐसे भी नए क्रिकेटर हैं, जो शून्य से शिखर की ओर बढ़ रहे हैं। उनके जीवन का उद्देश्य क्रिकेट है और जिस पर अडिग रहकर भारतीय टीम में प्रवेश पाने की कहानी सामान्य नहीं है। किंतु उनसे यही सीखने के लिए मिलता है कि भारत की नई पीढ़ी केवल आलोचनाओं और समस्याओं का सहारा लेकर अपनी कमजोरियों को नहीं छिपाना चाहती। वह हर विषम परिस्थिति पर विजय हासिल कर एक नई ऊंचाई को पाना चाहती है। इसके लिए स्थान और अभाव मायने नहीं रखता। इसमें सिर्फ परिश्रम ही विजय के मार्ग को प्रशस्त करता है। भारत ने एशिया कप अंडर-19 की जीत का सिलसिला वर्ष 1989 से आरंभ किया और दो-दो बार लगातार मुकाबला अपने नाम किया। जिससे यह स्पष्ट हो जाता है कि भारत में नई पौध हमेशा ही ऊंचे लक्ष्यों के प्रति कटिबद्ध रही है। वही सिलसिला बना हुआ है। इसलिए बार-बार भारत के युवाओं को भटकाने की कोशिश करने वालों को समझना होगा कि उनके प्रयास भटके हुए लोगों को सड़क पर ला सकते हैं, लेकिन अपने लक्ष्यों के लिए संघर्ष के मैदान पर प्रयास करने वालों को कभी सड़क पर नहीं ला सकते। यही भारत का असली जेन-जी है, जिसने हमेशा देश-दुनिया में कमाल किया है और आगे करता रहेगा।

राष्ट्रीय प्रेस दिवस

पश्चिमी संस्थाओं की रेटिंग से नहीं विश्वसनीयता से तय हो मीडिया की प्रतिष्ठा

आलोक मेहता
वरिष्ठ पत्रकार



हर वर्ष 16 नवंबर को राष्ट्रीय प्रेस दिवस मनाया जाता है। यह केवल पत्रकारों, संपादकों और मीडिया संस्थानों को बधाई देने का अवसर नहीं, बल्कि आत्ममंथन का दिन भी है। भारतीय प्रेस परिषद की स्थापना से जुड़ा यह दिवस हमें याद दिलाता है कि लोकतंत्र में स्वतंत्र और जिम्मेदार पत्रकारिता की भूमिका कितनी महत्वपूर्ण है।मैं स्वयं कई वर्षों तक प्रेस परिषद् का सदस्य और एडिटर्स गिल्ड ऑफ़ इंडिया का महासचिव और अध्यक्ष रहा हूँ। प्रेस परिषद् के अध्यक्ष सामान्यतः सेवनिवृत्त न्यायाधीश रहते हैं। दोनों संस्थानों ने प्रेस के लिए आचार संहिताएं बनाई हैं। लेकिन सजा का प्रावधान नहीं है। यह आत्मानुशासन का विषय माना जाता रहा है। आज जब भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और करोड़ों लोग प्रतिदिन अखबारों , पत्रिकाओं , टेलीविजन, डिजिटल मीडिया और सोशल मीडिया के माध्यम से सूचनाएँ प्राप्त करते हैं, तब पत्रकारिता के सामने चुनौतियाँ भी पहले से कहीं अधिक जटिल हो गई हैं।

भारत की पत्रकारिता को लेकर कुछ विदेशी संस्थाएँ और संगठन समय-समय पर प्रेस स्वतंत्रता की रेटिंग जारी करते हैं। इन रेटिंग को अंतिम सत्य मान लेना उचित नहीं है। मैं उनके नंबर हमेशा पूर्वाग्रही मनाता हूँ। सवाल यह है कि क्या किसी विदेशी संस्था के मानदंड भारत जैसे विशाल, बहुभाषी और विविधतापूर्ण



लोकतंत्र की वास्तविक परिस्थितियों को पूरी तरह समझ सकते हैं? भारत में प्रिंट मीडिया , टीवी चैनलों, डिजिटल पोर्टलों और भारतीय भाषाओं के मीडिया की व्यापकता तथा विविधता विश्व में विशिष्ट है। अमेरिका, ब्रिटेन और यूरोप के कई देशों की तुलना में भारत में मीडिया संस्थानों और भाषाई समाचार माध्यमों का विशाल जनाधार है। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल में राष्ट्रपति और मीडिया के बीच तीखे टकराव, पत्रकारों पर सार्वजनिक हमले तथा कुछ समाचार संस्थानों के साथ विवाद पूरी दुनिया ने देखे हैं। ब्रिटेन और यूरोप में भी मीडिया की स्वतंत्रता, स्वामित्व, आर्थिक दबाव और राजनीतिक प्रभाव को लेकर बहस होती रही है। आधी दुनिया पर कभी राज करने वाले ब्रिटेन में राज परिवार के कारनामों, अनाप शनाप खर्चों के विरुद्ध क्या मीडिया लिख बोल सकता है। एक बार तो इस तरह के छोटे से मामले पर मीडिया के बादशाह मुर्डोक को एक अखबार बंद करने के लिए मजबूर होना पड़ा था 7 फिर इन देशों में प्रिंट या विसुअल मीडिया के कितने संसथान है ? इसलिए यह मान लेना कि पश्चिमी देशों में पत्रकारिता पूरी तरह स्वतंत्र और भारत में नियंत्रित है, एकतरफा निष्कर्ष होगा। स्वतंत्रता का मूल्यांकन किसी एक रैंकिंग से नहीं, बल्कि तथ्यों, विविध विचारों, संस्थागत स्वतंत्रता और पत्रकारों के वास्तविक कामकाज से होना चाहिए।

लेकिन विदेशी रेटिंग पर सवाल उठाने का अर्थ यह भी नहीं है कि हम अपनी कमियों से आँखें बंद कर लें। भारतीय मीडिया के सामने सबसे बड़ी चुनौती आज उसका राजनीतिक ध्रुवीकरण है। पत्रकारों और संस्थानों को सुविधानुसार सरकार समर्थक या सरकार विरोधी खेमों में बाँट दिया जाता है। किसी को 'गोदी मीडिया' कहा जाता है, तो किसी को 'बिकाऊ पत्रकार' या 'दरबारी पत्रकार'। कई बार पत्रकार की पूरी पहचान उसके राजनीतिक विचारों के आधार पर निर्धारित कर दी जाती है। यह प्रवृत्ति पत्रकारिता की स्वतंत्रता और समाज में उसके सम्मान, दोनों के लिए नुकसानदेह है। पराकाष्ठा यह है कि इस सप्ताह सत्तारुढ़ भाजपा द्वारा आयोजित दीपावली मिलन कार्यक्रम में पांच सौ या उससे अधिक पत्रकारों (डिजिटल युग में संख्या का हिसाब मुश्किल) के बीच प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के करीब 30 मिनट सहज सरल भावुक मिलन में सेल्फी लेने वाले कुछ अति उत्साही नए पुराने पत्रकारों के मोबाइल से सेल्फी खींचने के दृश्यों पर सोशल मीडिया में आलोचना या पक्षधरता की बाढ़ सी आ गई। ऐसा भी नहीं था कि सारे पत्रकार इसी तरह होड़ कर रहे थे। फिर यह कोई प्रेस कांफ्रेंस नहीं थी और वर्तमान दौर में पचासों पत्रकारों की पहुँच प्रधान मंत्री तक नहीं होती है। दूसरी तरफ प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी मीडिया से अपने संबंध मधुर रखने के लिए किसी भेदभाव के बिना शुभकामना देने में प्रसन्नता अनुभव करते हैं। यहाँ भी पत्रकारों के अपने व्यवहार पसंद नापसंद के लिए निजी आचार संहिता ही लागू हो सकती है। लेकिन ऐसे अनावश्यक विवाद तकलीफदेह लगते हैं। वास्तविकता यह है कि भारतीय मीडिया में राजनीतिक पक्षधरता कोई नई घटना नहीं है। आजादी के बाद से ही कुछ समाचार पत्रों, संपादकों और मीडिया मालिकों के राजनीतिक संबंध रहे हैं। आपातकाल से पहले और बाद के दौर में भी सत्ता के निकट रहने वाले पत्रकारों और संस्थानों के उदाहरण मिलते हैं। जमीन, सरकारी सुविधाओं, आर्थिक लाभ और राजनीतिक संरक्षण के आरोप भी अलग-अलग समय पर सामने आते रहे हैं। मैंने तो एक समय बड़े पदों पर बैठे सम्पादकों या उनके सहयोगी पत्रकारों द्वारा हजारों रुपए लेकर पक्ष विपक्ष में प्रचार के प्रमाण देखे और उन पर रिपोर्ट्स लिखी हैं। कुछ संस्थानों ने सत्ता के साथ निकटता रखी, तो कुछ ने सत्ता के विरोध को अपनी पहचान बनाया। इसलिए आज की पत्रकारिता की समीक्षा करते समय इतिहास को भूलना या केवल वर्तमान को दोष देना उचित नहीं होगा। मेरी पुस्तक पावर प्रेस एन्ड पॉलिटिक्स ('Power, Press and Politics') में पेड न्यूज़ ('Paid न्यूज़) पर एक स्वतंत्र अध्याय है। यह समस्या केवल चुनावों के समय समाचार के रूप में विज्ञापन प्रकाशित करने तक सीमित नहीं है। जब समाचार और विज्ञापन के बीच की सीमा समाप्त होने लगे, जब आर्थिक या राजनीतिक हितों के कारण किसी खबर को दबाया जाए अथवा किसी व्यक्ति या दल के पक्ष में प्रचार को पत्रकारिता का रूप दिया जाए, तब लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरा पैदा होता है। आज पेड न्यूज का स्वरूप बदल रहा है। डिजिटल प्लेटफॉर्म, सोशल मीडिया, प्रायोजित सामग्री, छिपे हुए विज्ञापन, फर्जी खबरें और कृत्रिम बुद्धिमत्ता से तैयार भ्रामक सामग्री ने समस्या को और जटिल बना दिया है। अब केवल समाचार पत्र या टीवी चैनल ही सूचना के स्रोत नहीं हैं। कोई भी व्यक्ति मोबाइल फोन से लाखों लोगों तक संदेश पहुँचा सकता है। इससे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का विस्तार हुआ है, लेकिन गलत सूचना, अफवाह और चरित्र हनन की संभावनाएँ भी बढ़ी हैं।यहाँ एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठता है कि क्या मीडिया को पूरी तरह सरकारी नियंत्रण से मुक्त छोड़ देना चाहिए? निश्चित रूप से नहीं। स्वतंत्रता और अराजकता में अंतर है। जैसे लोकतंत्र में सरकार की शक्तियों पर संवैधानिक सीमाएँ हैं, वैसे ही पत्रकारिता की स्वतंत्रता के साथ कुछ नैतिक और पेशेवर जिम्मेदारियाँ भी जुड़ी हैं। किसी व्यक्ति की प्रतिष्ठा को बिना प्रमाण नष्ट करना, झूठे आरोप लगाना, अदालत में विचाराधीन मामलों को मीडिया ट्रायल में बदल देना और निजी जीवन में अनावश्यक हस्तक्षेप करना अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का उचित उपयोग नहीं कहा जा सकता।

इस समस्या का समाधान सरकार को मीडिया पर नियंत्रण देने में भी नहीं है। सरकार की आलोचना करना पत्रकारिता का अपराध नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में उसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। इसी प्रकार सरकार के अच्छे कार्यों की सराहना करना भी किसी पत्रकार को स्वतः दरबारी नहीं बना देता। इसलिए आवश्यकता है कि मीडिया के लिए कुछ स्पष्ट, पारदर्शी और निष्पक्ष नियम हों। भारतीय प्रेस परिषद, समाचार प्रसारण एवं डिजिटल मानक प्राधिकरण जैसी संस्थाओं की भूमिका को अधिक प्रभावी और विश्वसनीय बनाने पर विचार होना चाहिए। प्रिंट, टेलीविजन और डिजिटल मीडिया के लिए जवाबदेही के मानदंड हों। समाचार और विज्ञापन के बीच स्पष्ट अंतर रखा जाए। पेड न्यूज, फर्जी खबरों, प्रायोजित राजनीतिक प्रचार और हितों के टकराव को लेकर कठोर पेशेवर मानक बनाए जाएँ। शिकायतों का समयबद्ध निपटारा हो और गलती होने पर उसी प्रमुखता से सुधार प्रकाशित या प्रसारित किया जाए, जिस प्रमुखता से गलत खबर दी गई थी।सरकार और संसद को मीडिया से संबंधित कानून बनाते समय प्रेस की स्वतंत्रता के संवैधानिक अधिकार का सम्मान करना चाहिए। नियमन का उद्देश्य नियंत्रण नहीं, बल्कि विश्वसनीयता और जिम्मेदारी होना चाहिए। पत्रकारों और संपादकों को भी आत्मनियमन की जिम्मेदारी स्वीकार करनी होगी। संपादक की भूमिका केवल टीआरपी या डिजिटल व्यूज बढ़ाना नहीं, बल्कि संस्थान की विश्वसनीयता बनाए रखना भी है। आने वाले वर्षों में भारतीय पत्रकारिता की सबसे बड़ी परीक्षा यह होगी कि वह सरकार, विपक्ष, कॉरपोरेट घरानों और डिजिटल प्लेटफॉर्म के दबाव से स्वतंत्र रहकर जनता के प्रति अपनी जवाबदेही निभा सके। प्रेस की स्वतंत्रता अनिवार्य है, लेकिन स्वतंत्रता के साथ जिम्मेदारी भी उतनी ही आवश्यक है। न सरकारी नियंत्रण, न राजनीतिक दबाव और न ही मीडिया की अराजकता। भारत को ऐसी पत्रकारिता चाहिए जो निर्भीक हो, निष्पक्ष रहने का प्रयास करे, तथ्यों पर आधारित हो और अपनी गलतियों को स्वीकार करने का साहस भी रखे। यही भारतीय लोकतंत्र, भारतीय मीडिया और आने वाली पीढ़ियों के हित में है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

गोपाष्टमी आते ही उपजती आस्था... गौवंश के अस्तित्व और गौशालाओं की चिंता

कुमार कृष्णन
स्तंभकार



गोपाष्टमी का पर्व आते ही भारतीय समाज में गाय के प्रति श्रद्धा और आस्था का भाव मुखर हो उठता है। कार्तिक शुक्ल पक्ष की अष्टमी को मनाया जाने वाला यह पर्व गाय और बछड़ों की पूजा-अर्चना, सेवा तथा उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है। भारतीय कृषि और ग्रामीण जीवन में गाय का ऐतिहासिक महत्व रहा है। उसने केवल दूध ही नहीं दिया, बल्कि खेती-किसानी, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और पारिवारिक जीवन को भी सहारा दिया है। भारतीय लोकजीवन में गाय का स्थान इसी कारण विशेष रहा है। लेकिन गोपाष्टमी के अवसर पर एक सवाल हमारी सामूहिक चेतना के सामने खड़ा होता है–जिस गाय की हम पूजा करते हैं, क्या उसके अस्तित्व, जीवन और सम्मान की रक्षा भी करते हैं?

धार्मिक अनुष्ठानों में गाय को तिलक लगाया जाता है, फूलों की माला पहनाई जाती है और उसे गुड़ तथा हरा चारा खिलाया जाता है। मंदिरों और गौशालाओं में विशेष आयोजन होते हैं। लोग गौसेवा का संकल्प लेते हैं। लेकिन पर्व समाप्त होते ही क्या यह संकल्प भी समाप्त हो जाता है? क्या हमारी चिंता उन गायों तक पहुंचती है, जो सड़कों पर कचरे के ढेर में भोजन तलाशती हैं, प्लास्टिक खाती हैं, दुर्घटनाओं का शिकार होती हैं या गौशालाओं में पर्याप्त चारे और पानी के अभाव में जीवन बिताती हैं? यह सवाल इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि आज गौवंश का अस्तित्व केवल उपेक्षा और कुपोषण से ही नहीं, बल्कि बदलती कृषि व्यवस्था, देशी नस्लों के संरक्षण की कमी और पशुपालन के आर्थिक संकट से भी प्रभावित हो रहा है। गौशालाओं की स्थिति इस प्रश्न को और गंभीर बनाती है। देश के अनेक हिस्सों में गौशालाएं धार्मिक और सामाजिक संस्थाओं द्वारा संचालित हैं। कुछ संस्थाएं निष्ठा और समर्पण के साथ बेसहारा तथा बीमार पशुओं की देखभाल करती हैं। लेकिन कई स्थानों पर गौशालाओं के सामने संसाधनों की कमी, अपर्याप्त भूमि, चारे की अनुपलब्धता, पशु चिकित्सा सुविधाओं का अभाव और आर्थिक संकट जैसी समस्याएं हैं। कहीं पशुओं की संख्या उपलब्ध संसाधनों से अधिक है, तो कहीं स्वच्छता और उचित देखरेख की व्यवस्था कमजोर है। कई गौशालाओं में पशुओं को रखने की जगह तो है, लेकिन उनके लिए पर्याप्त भोजन, स्वच्छ पानी और नियमित चिकित्सा की व्यवस्था नहीं है। गौशाला का अर्थ केवल गायों को एक परिसर में बंद कर देना नहीं है। उसका वास्तविक उद्देश्य पशुओं को सुरक्षित, स्वच्छ और सम्मानजनक जीवन उपलब्ध कराना है। इसके लिए पर्याप्त जगह, पौष्टिक चारा, स्वच्छ पेयजल, नियमित स्वास्थ्य जांच, बीमार पशुओं के लिए अलग व्यवस्था और प्रशिक्षित देखभालकर्ताओं की जरूरत होती है। यदि इन बुनियादी सुविधाओं का अभाव है तो गौशाला का अस्तित्व अपने उद्देश्य से भटक जाता है। गौशालाओं की सफलता का मूल्यांकन वहां रखे गए पशुओं की संख्या से नहीं, बल्कि उनकी सेहत, पोषण और जीवन की गुणवत्ता से होना चाहिए। आज गौवंश के अस्तित्व पर मंडराता संकट एक व्यापक चिंता का विषय है। देशी गोवंश की अनेक नस्लों के संरक्षण का सवाल गंभीर होता जा रहा है। आधुनिक पशुपालन में अधिक दूध देने वाली नस्लों और संकर प्रजातियों पर बढ़ते जोर के बीच देशी नस्लों की पहचान, उपयोगिता और उनके संरक्षण को अपेक्षित प्राथमिकता नहीं मिल पा रही है। देशी नस्लें केवल पशुधन नहीं, बल्कि भारतीय कृषि, जलवायु और ग्रामीण जीवन के अनुभवों से विकसित हुई जैविक विरासत हैं। उनकी अनदेखी का अर्थ इस विरासत के एक महत्वपूर्ण हिस्से को खोने का खतरा भी है। दूसरी ओर, खेती में मशीनीकरण, चरागाहों का सिमटना, पशुपालन की बढ़ती लागत और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में आए बदलावों ने गाय की पारंपरिक भूमिका को प्रभावित किया है। गांवों में कभी पशुओं के लिए सामुदायिक चरागाह और पर्याप्त खुली जमीन उपलब्ध होती थी। अब जमीन पर बढ़ते दबाव, शहरीकरण और अन्य उपयोगों के कारण चराई के पारंपरिक संसाधन लगातार सीमित हो रहे हैं। पशुपालकों के सामने चारा जुटाना भी कठिन होता जा रहा है। ऐसे में गौवंश का संरक्षण केवल धार्मिक भावना का विषय नहीं रह जाता, बल्कि भूमि, कृषि, पर्यावरण और ग्रामीण आजीविका से जुड़ा प्रश्न बन जाता है। एक बड़ी समस्या उन गायों की भी है, जो दूध देना बंद कर देती हैं या उम्र और बीमारी के कारण आर्थिक रूप से अनुपयोगी समझी जाने लगती हैं।



पशुपालन की व्यावसायिक व्यवस्था में जब किसी पशु की आर्थिक उपयोगिता समाप्त हो जाती है, तब उसके पालन-पोषण का प्रश्न खड़ा होता है। कई पशुपालक आर्थिक विवशता में ऐसे पशुओं को छोड़ देते हैं। परिणामस्वरूप वे सड़कों, खेतों और बाजारों में भटकती हैं। खेतों में खड़ी फसल को नुकसान पहुंचाने के कारण ग्रामीणों और किसानों के साथ उनका टकराव भी बढ़ता है। इस समस्या का समाधान केवल भावनात्मक अपील से नहीं, बल्कि ऐसी व्यवस्था से संभव है जिसमें पशुपालकों, स्थानीय निकायों और सरकार की जिम्मेदारी स्पष्ट हो।

शहरी क्षेत्रों में आवारा पशुओं की समस्या भी इसी संकट का हिस्सा है। सड़कों पर घूमती गायें यातायात दुर्घटनाओं का कारण बनती हैं और स्वयं भी घायल होती हैं। कूड़े के ढेर से भोजन तलाशते हुए उनके पेट में प्लास्टिक और अन्य हानिकारक पदार्थ पहुंच जाते हैं। प्लास्टिक का सेवन उनके स्वास्थ्य और जीवन के लिए गंभीर खतरा बनता है। यह केवल पशु कल्याण का मामला नहीं, बल्कि शहरी प्रशासन, कचरा प्रबंधन और सार्वजनिक सुरक्षा से भी जुड़ा प्रश्न है। नगर निकायों को आवारा पशुओं के लिए सुरक्षित आश्रय, पशु चिकित्सा और चारे की व्यवस्था के साथ-साथ कचरा प्रबंधन को भी प्राथमिकता देनी चाहिए।

गोपाष्टमी पर गाय के माथे पर तिलक लगाना अच्छी परंपरा है, लेकिन उससे बड़ा काम उसके जीवन को सुरक्षित बनाना है। फूलों की माला पहनाने से अधिक जरूरी है कि उसे भूखा न रहना पड़े। पूजा के दिन गुड़ खिलाने से अधिक महत्वपूर्ण है कि पूरे वर्ष उसे पर्याप्त चारा और स्वच्छ पानी मिले। देशी नस्लों के संरक्षण की चिंता, चरागाहों की रक्षा और गौशालाओं की जवाबदेही भी इस पर्व के संकल्प में शामिल होनी चाहिए। यदि गौशालाओं में गायें बीमार, भूखी और उपेक्षित रहें तथा देशी गोवंश के अस्तित्व पर संकट गहराता रहे तो हमारी धार्मिक आस्था और सामाजिक व्यवहार के बीच का विरोधाभास उजागर होता रहेगा।

इसलिए गोपाष्टमी केवल पूजा का पर्व बनकर न रह जाए। इसे गौवंश के अस्तित्व की रक्षा, देशी नस्लों के संरक्षण, गौशालाओं की वास्तविक स्थिति की समीक्षा और पशु कल्याण की व्यवस्था को मजबूत करने का अवसर बनाया जाना चाहिए। गाय के प्रति श्रद्धा का सबसे विश्वसनीय प्रमाण उसके जीवन की रक्षा है। पूजा तभी सार्थक होगी, जब उसके साथ सेवा और संरक्षण का संकल्प भी पूरे वर्ष निभाया जाएगा।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

सुविचार

शांत मन इस दुनिया का सबसे बड़ा सुरक्षा कवच है। – अज्ञात

निशाना

कुदरत की ये बाजीगरी



मनोज 'निडर'

जिस्म की कारीगरी या रूह की जादूगरी,
काबिले-तारीफ है कुदरत की ये बाजीगरी।
बात लफ़्ज़ों से परे जब आँख से होने लगे,
इश्क़ की ये ख़ामुशी है या कोई पैगम्बरी।
डूबते एहसास को जब थाम ले कोई नज़र,
दर्द की राहत बना दे प्यार की चारागरी।
ठोकरों ने ही सिखाया पाँव रखने का हुनर,
रहज़नों से बढ़ के निकली पत्थरों की रहबरी।
चाहतें बिकने लगी हैं आज हर बाज़ार में,
आदमी में बढ़ गई है किस कदर सौदागरी।

वायरल कंटेंट

सात समंदर पार भी कायम छठ की आस्था अमेरिका में नदी के किनारे सजा घाट

छठ का नाम आते ही बिहार और पूर्वांचल के घाट, डूबते सूरज को अर्घ्य देती महिलाएं, सूप में सजे फल और गूंजते छठ गीत आंखों के सामने आ जाते हैं। इस पर्व पर विदेश में रहने वाले भारतीयों की भी कोशिश होती है कि किसी तरह अपने घर पहुंचकर परिवार के साथ पूजा करें। लेकिन हर किसी के लिए भारत आना संभव नहीं होता। ऐसे में कुछ लोगों ने सात समंदर पार ही अपनी मिट्टी, अपनी संस्कृति और अपनी परंपरा को जीवित रखने का रास्ता निकाल लिया।



अमेरिका में छठ पूजा के लिए सजाए गए एक घाट का वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर लोगों का ध्यान खींच रहा है।

यह वीडियो न्यूयॉर्क सिटी में रहने वाली निधि मिश्रा ने सोशल मीडिया पर साझा किया है। इसमें अमेरिका की एक नदी के किनारे छठ पूजा की तैयारियां दिखाई दे रही हैं। घाट को पूजा के लिए सजाया गया है। नदी किनारे घास पर लोगों के बैठने के लिए व्यवस्था की गई है। आसपास भारतीय परिवारों की मौजूदगी दिखाई देती है। कोई पूजा की तैयारी में जुटा है तो कोई इस खास मौके को अपने कैमरे में कैद कर रहा है। वीडियो में बुजुर्गों से लेकर नवविवाहित जोड़ों तक को देखा जा सकता है। निधि मिश्रा ने वीडियो के साथ अपनी भावनाएं भी साझा की हैं। उन्होंने लिखा कि अमेरिका की धरती पर बिहार की मिट्टी की खुशबू महसूस हो रही है। सात समंदर पार भी छठ की वही आस्था, वही समर्पण और वही अपनापन बरकरार है। उनके मुताबिक छठ केवल एक पर्व नहीं, बल्कि पहचान, संस्कृति और आत्मा से जुड़ा उत्सव है।

निधि पेशे से इंजीनियर हैं। इसके अलावा वह परफॉर्मर, गायिका और कंटेंट क्रिएटर भी हैं। उनके इंस्टाग्राम पर साढ़े चार हजार से अधिक फॉलोअर्स हैं। सोशल मीडिया पर इस वीडियो को खूब पसंद किया जा रहा है। लोगों का कहना है कि त्योहारों की असली खूबसूरती यही है कि वे दूरी के बावजूद लोगों को अपनी जड़ों से जोड़े रखते हैं। एक यूजर ने लिखा कि छठ सिर्फ त्योहार नहीं, बल्कि प्यार, आस्था और समर्पण का ऐसा बंधन है, जो पीढ़ियों को जोड़ता है। दूसरे यूजर ने विदेश में रहकर अपनी संस्कृति को सहेजने वाले लोगों की सराहना करते हुए लिखा- हमें आप पर गर्व है।

कंज्यूमर गाइड

पुराने गैजेट कचरा समझकर फेकें नहीं, छूट या एक्सचेंज प्राइज़ का मिल सकता है फायदा

घर में पुराने स्मार्टफोन, खराब ईयरबड्स, चार्जर और पावर बैंक अक्सर किसी दराज या अलमारी में पड़े रहते हैं। कई बार जगह खाली करने के लिए इन्हें दूसरे कचरे के साथ फेंक दिया जाता है। लेकिन ऐसा करना पर्यावरण और आपकी सुरक्षा दोनों के लिए नुकसानदायक हो सकता है। इन इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में लिथियम बैटरी, तांबा, चांदी और सोने जैसी धातुएं होती हैं। गलत तरीके से नष्ट करने पर इनसे निकलने वाले हानिकारक पदार्थ मिट्टी और पानी को प्रदूषित कर सकते हैं। इसलिए पुराने गैजेट्स को सामान्य कचरे में डालने के बजाय अधिकृत ई-वेस्ट रिसाइक्लिंग केंद्र तक पहुंचाना बेहतर है।



पुराना स्मार्टफोन भले ही इस्तेमाल के लायक न हो, लेकिन उसके कई हिस्से दोबारा उपयोग किए जा सकते हैं। फोन के सर्किट बोर्ड में तांबा, चांदी और सोने जैसी मूल्यवान धातुएं होती हैं। रिसाइक्लिंग के जरिए इन्हें निकालकर नए उत्पाद बनाने में इस्तेमाल किया जा सकता है। कई कंपनियां पुराने फोन के बदले छूट या एक्सचेंज मूल्य भी देती हैं। कुछ कंपनियां खराब उपकरणों को रिसाइक्लिंग के लिए स्वीकार करती हैं।

वायरलेस ईयरबड्स भी छोटे जरूर होते हैं, लेकिन इनमें रिचार्ज होने वाली बैटरियां और इलेक्ट्रॉनिक सर्किट लगे होते हैं। बैटरी खराब होने पर इन्हें सामान्य कूड़े में फेंकना ठीक नहीं है। इन्हें अधिकृत ई-वेस्ट कलेक्शन सेंटर पर जमा करें। पुराने पावर बैंक को फेंकने से पहले उसकी स्थिति जरूर जांचें। इसमें लिथियम आयन बैटरी होती है, जिसमें कुछ ऊर्जा बची रह सकती है। दबाव, छेद या शॉर्ट सर्किट होने पर आग लग सकती है। यदि पावर बैंक फूल गया है, उसका बाहरी हिस्सा टूट गया है या वह असामान्य रूप से गर्म होता है तो उसे चार्ज न करें, न दबाएं और न ही खोलने की कोशिश करें। ऐसे उपकरण के निस्तारण के लिए निर्माता या अधिकृत बैटरी रिसाइक्लर से संपर्क करें।

खराब चार्जर, यूएसबी केबल, लैपटॉप एडेप्टर और पुराने इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में भी उपयोगी धातुएं और प्लास्टिक होते हैं। इन्हें अलग-अलग इकट्ठा करके अधिकृत ई-वेस्ट केंद्र पर दें। इससे कच्चे माल की बचत होती है और इलेक्ट्रॉनिक कचरा कम होता है। रिसाइक्लिंग से पहले पुराने फोन और लैपटॉप का निजी डेटा पूरी तरह मिटाएं।

श्रीकृष्ण जन्मोत्सव पर गूंजे जयकारे, नंदोत्सव में झूमे श्रद्धालु

कारागृह से कन्हैया के प्राकट्य तक का हुआ सजीव मंचन, पुष्पवर्षा और भजनों से भक्तिमय हुआ कथा परिसर

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

पंचकुईया में आयोजित कार्तिक महोत्सव के अंतर्गत चल रहे श्रीमद् भागवत कथा सप्ताह में शनिवार को श्रीकृष्ण जन्मोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। भगवान श्रीकृष्ण के जन्म का प्रसंग आते ही कथा परिसर 'नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की' के जयकारों से गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर कन्हैया के जन्म की खुशियां मनाईं।

शीतला माता मंदिर परिसर में आयोजित कथा में कथावाचक पंडित नलिनीकांत शर्मा ने मथुरा के कारागृह में देवकी-वासुदेव के जीवन और कंस के अत्याचारों का प्रसंग सुनाया। उन्होंने बताया कि अधर्म





और अत्याचार से मुक्ति दिलाने के लिए भगवान श्रीकृष्ण ने कारागृह में अवतार लिया। जन्मोत्सव के अवसर पर भगवान के बाल स्वरूप और वासुदेव का आकर्षक रूप सजाया गया। डलिया में बाल कृष्ण को लेकर वासुदेव के कथा स्थल पर पहुंचने का सजीव मंचन किया गया। इस दृश्य ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। कथावाचक के सुमधुर भजनों पर श्रद्धालु झूमते नजर आए। अंत में विशेष प्रसादी का वितरण किया गया। कार्तिक महोत्सव के अंतर्गत त्रिपुर सुंदरी घाट पर प्रतिदिन सुबह कार्तिक स्नान का आयोजन किया जा रहा है। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होकर पुण्य लाभ अर्जित कर रहे हैं। स्नान के साथ तुलसी और आंवला पूजन भी किया जा रहा है। धार्मिक अनुष्ठानों के चलते घाट पर सुबह से ही भक्तिमय वातावरण बना रहता है। श्रद्धालु विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि और मंगलकामना के लिए प्रार्थना कर रहे हैं।

भजनों और सजीव झांकी ने बांधा समां : श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के दौरान कथा स्थल पर आकर्षक धार्मिक झांकी सजाई गई। बाल कृष्ण को डलिया में लेकर पहुंचे वासुदेव के स्वरूप ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। जैसे ही यह दृश्य सामने आया, पूरा परिसर जय कन्हैया लाल की के उद्घोष से गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने फूल बरसाकर जन्मोत्सव की खुशियां मनाईं। कथावाचक पंडित नलिनीकांत शर्मा ने सुमधुर भजनों की प्रस्तुति देकर माहौल को और भक्तिमय बना दिया।

अंकित साहू को मिली भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा में जिला महामंत्री की जिम्मेदारी

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

भारतीय जनता पार्टी के पिछड़ा वर्ग मोर्चा में संगठनात्मक नियुक्ति के तहत सिरोंज निवासी एवं कुरवाई विधानसभा क्षेत्र के युवा नेता अंकित साहू को विदिशा जिला महामंत्री नियुक्त किया गया है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की सहमति और भाजपा जिलाध्यक्ष महाराज सिंह दांगी की अनुशंसा पर पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पवन पाटीदार ने उनकी नियुक्ति की है। अंकित साहू को नई जिम्मेदारी मिलने की सूचना के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं, मित्रों और शुभचिंतकों में उत्साह देखा जा रहा है। सोशल मीडिया सहित विभिन्न माध्यमों से उन्हें



बधाई और शुभकामनाएं देने का सिलसिला जारी है। अंकित साहू इससे पहले संगठन में विभिन्न जिम्मेदारियां निभा चुके हैं। वे युवा मोर्चा पथरिया मंडल के मंडल अध्यक्ष, बीना विधानसभा के युवा मोर्चा विधानसभा प्रभारी, भाजपा युवा मोर्चा जिला विदिशा के जिला मीडिया प्रभारी, भाजपा मंडल पथरिया के मंडल मंत्री तथा सांस्कृतिक प्रकोष्ठ विदिशा के सहसंयोजक रह चुके हैं। जिला महामंत्री की नई जिम्मेदारी के साथ उनसे पिछड़ा वर्ग मोर्चा के संगठनात्मक विस्तार, पार्टी की गतिविधियों के संचालन और जनसंपर्क अभियानों में सक्रिय भूमिका निभाने की अपेक्षा है।

न्यूज विंडो

नरगुवा टेक के जंगल में आग का तांडव धधक रहे पेड़-पौधे; वन्यजीवों पर भी संकट



तेंदूखेड़ा। नगर से करीब चार किलोमीटर दूर जबलपुर मार्ग पर नरगुवा टेक के ऊपर और 27 मिल टावर से पहले स्थित वन क्षेत्र में रविवार शाम भीषण आग लग गई। जंगल के बड़े हिस्से में आग की लपटें उठने से पेड़-पौधे और वनस्पतियां जलकर नष्ट हो रही हैं। इससे वन्यजीवों के प्राकृतिक रहवास और आसपास के मवेशियों के चारे पर भी संकट खड़ा हो गया है। रविवार शाम करीब 4 बजे राहगीरों ने आग की सूचना दी। कार्रवाई की जानकारी लेने के लिए तेंदूखेड़ा रेंजर को फोन लगाया गया, लेकिन उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया। ग्रामीणों का आरोप है कि क्षेत्र में हर साल आगजनी होती है, लेकिन प्रभावी रोकथाम नहीं की जाती। उन्होंने आशंका जताई कि कुछ मामलों में अवैध कटाई के साक्ष्य मिटाने के लिए भी आग लगाई जाती है। हालांकि इसकी निष्पक्ष जांच जरूरी है। राहुल जैन, राज शर्मा, आशीष कुमार और राजा ठाकुर सहित लोगों ने वरिष्ठ वन अधिकारियों से तत्काल आग बुझाने, कारणों की जांच कराने और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है।

बूंद-बूंद पानी बचाने ग्रामीणों ने उठाया बीड़ा, श्रमदान से बनाया बोरी बंधान



सिरोंज। जल संरक्षण को जनभागीदारी से जोड़ने के उद्देश्य से ग्राम कर्राखेड़ी में रविवार को ग्रामीण युवाओं ने सामूहिक श्रमदान कर छोटी नदी पर बोरी बंधान तैयार किया। जल संचय अभियान के तहत मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद से संबद्ध नवांकुर संस्था सर्वधर्म जनकल्याण सेवा समिति के सहयोग से ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति ने यह पहल की। कार्यक्रम में ग्रामीणों को वर्षा जल संचयन, बहते पानी को रोकने और भूजल स्तर बढ़ाने के महत्व की जानकारी दी गई। कार्यक्रम संयोजक प्रमोद रघुवंशी ने कहा कि आने वाली पीढ़ियों के लिए पर्याप्त जल उपलब्ध कराना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। बोरी बंधान जैसे छोटे प्रयास खेती, पशुपालन और पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। इस दौरान ग्रामीणों ने गांव को जल समृद्ध बनाने और प्राकृतिक जल स्रोतों के संरक्षण में निरंतर सहयोग करने का संकल्प लिया। ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति अध्यक्ष राधारमण कुर्मी, सचिव कपिल कुर्मी, उमेद सिंह कुर्मी, प्रकाश पटेल, गोलू, जिगर, अश्मित और नर्मदा प्रसाद सहित ग्रामीण मौजूद रहे।

कर्राखेड़ी में जल संरक्षण की अनूठी पहल, बहते पानी को रोककर भूजल स्तर बढ़ाने का संकल्प

स्टेट हाईवे-15 पर झापन के पास ब्यारमा नदी का पुल बना मुसीबत

15 महीने से नदी में समाया पुल, 31.43 करोड़ मंजूर, निर्माण अब तक शुरू नहीं

जान जोखिम में डालकर स्टॉप डेम से गुजर रहे ग्रामीण, मार्च 2028 तक निर्माण पूरा करने का लक्ष्य

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

सागर-जबलपुर स्टेट हाईवे-15 पर झापन के पास ब्यारमा नदी पर बना करीब 50 साल पुराना पुल पिछले साल बाढ़ में बह गया था। पुल टूटे 15 महीने बीत चुके हैं, लेकिन अब तक नए पुल का निर्माण शुरू नहीं हुआ। इसका खामियाजा आसपास के दर्जनों गांवों के हजारों लोगों को भुगतना पड़ रहा है। फरवरी में क्षतिग्रस्त पुल से गिरकर सागर जिले के तीन युवकों अमित कुर्मी, अजय घोसी और पवन कुर्मी की मौत भी हो चुकी है। इसके बावजूद लोग स्टॉप डेम से जान जोखिम में डालकर नदी पार कर रहे हैं।

पुल नहीं होने से ग्रामीणों को तेंदूखेड़ा पहुंचने के लिए 20 किमी. का अतिरिक्त चक्कर लगाना पड़ रहा है। विद्यार्थियों, किसानों, नौकरीपेशा लोगों की परेशानी बढ़ गई है। कुछ माह पहले बीमार निर्भय यादव को अस्पताल पहुंचाने में भी अतिरिक्त दूरी के कारण परेशानी हुई थी। शासन ने नए पुल के निर्माण के लिए 31.43 करोड़ रुपए स्वीकृत किए हैं। मार्च 2028 तक निर्माण पूरा करने का लक्ष्य है, लेकिन अब तक काम शुरू नहीं हुआ। ग्रामीणों का सवाल है कि स्वीकृति के बावजूद निर्माण में देरी क्यों हो रही है।



तीन युवकों की मौत से नहीं सबक स्टॉप डेम से गुजर रहे लोग

झापन के क्षतिग्रस्त पुल पर फरवरी में दर्दनाक हादसा हुआ था। सागर जिले के रहली निवासी अमित कुर्मी, अजय घोसी और पवन कुर्मी बाइक से समनापुर में शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे। रात के अंधेरे में तीनों बाइक सहित पुल के टूटे हिस्से से करीब 30 फीट नीचे जा गिरे, जिससे उनकी मौत हो गई। इस हादसे के बाद भी आवागमन की स्थायी व्यवस्था नहीं हो सकी। अब ग्रामीण पुल के बाजू में बने स्टॉप डेम से नदी पार कर रहे हैं। पानी का बहाव और रास्ते की स्थिति कभी भी हादसे का कारण बन सकती है। ग्रामीणों को हर दिन जोखिम उठाना पड़ रहा है।

7 गांवों के लोगों को 20 किमी का लगाना पड़ रहा चक्कर

झापन, लकलका, सोमखेड़ा, इमलिया, खर्राघाट, हरदुआपुरा और झलौन सहित आसपास के गांवों के लोगों के लिए पुल का टूटना बड़ी मुसीबत बन गया है। तेंदूखेड़ा और अन्य प्रमुख स्थानों तक पहुंचने के लिए ग्रामीणों को करीब 20 किलोमीटर अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ रही है। इससे समय और ईंधन दोनों की बर्बादी हो रही है। विद्यार्थियों को स्कूल-कॉलेज, किसानों को खेतों और नौकरीपेशा लोगों को काम पर पहुंचने में परेशानी होती है। आपात स्थिति में मरीजों को अस्पताल ले जाना भी चुनौती बन गया है। ग्रामीणों का कहना है कि 31.43 करोड़ रुपए की स्वीकृति के बाद अब निर्माण कार्य जल्द शुरू होना चाहिए।

नए चूल्हे पर बनता छठी मैया का प्रसाद, 36 घंटे निर्जला व्रत रखकर की आराधना



मंडीदीप के सात घाटों पर उमड़ा आस्था का सैलाब, कलियासोत घाट पर 12 से 15 हजार श्रद्धालुओं ने दिया सूर्यदेव को अर्घ्य

मंडीदीप। छठ महापर्व केवल पूजा नहीं, बल्कि शुद्धता, अनुशासन और अटूट आस्था की परंपरा है। छठी मैया को चढ़ाए जाने वाले प्रसाद की तैयारी करीब 15 दिन पहले शुरू हो जाती है। गेहूं को धोकर सुखाया जाता है और पीसने से पहले चक्की की भी अच्छी तरह सफाई की जाती है। प्रसाद बनाने के लिए हर साल नया मिट्टी का चूल्हा तैयार किया जाता है। रविवार को मंडीदीप के सात घाटों पर श्रद्धालुओं ने 36 घंटे का निर्जला व्रत रखकर सूर्यदेव को अर्घ्य दिया।

बेतवा कॉलोनी निवासी भरत भूषण यादव ने बताया कि उनका परिवार 25 से 30 वर्षों से यह परंपरा निभा रहा है। परिवार अपनी जरूरत के अनुसार 15 से 50 किलो गेहूं से प्रसाद तैयार करता है। देशी घी से ठेकुआ सहित विभिन्न पकवान बनाए जाते हैं। पूजा में गन्ना, नारियल, मौसमी फल और अन्य सामग्री भी चढ़ाई जाती है। कलियासोत नदी घाट पर 12 से 15 हजार श्रद्धालु पहुंचे। यहां केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, विधायक सुरेंद्र पटवा और नगर पालिका अध्यक्ष प्रियंका राजेंद्र अग्रवाल ने भोजपुरी समाज को पर्व की शुभकामनाएं दीं। मंडीदीप के अन्य छह घाटों पर भी हजारों श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना की।

छप्पन भोग से महका माहेश्वरी समाज का अन्नकूट महोत्सव, एक पंगत में दिखी एकता की मिसाल

गोवर्धन पूजा के साथ भगवान का अभिषेक और आरती, श्रद्धा-उल्लास से मनाया पर्व, समाजजनों ने एक साथ बैठकर ग्रहण की प्रसादी

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

गोवर्धन पूजा के पावन अवसर पर माहेश्वरी समाज द्वारा होटल पुखराज में अन्नकूट महोत्सव श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया। धार्मिक आयोजन में भगवान का विधि-विधान से अभिषेक कर पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद भगवान को छप्पन प्रकार के व्यंजनों का भोग अर्पित किया गया। आयोजन में समाज के महिला-पुरुषों सहित बड़ी संख्या में समाजजन शामिल हुए और धार्मिक अनुष्ठानों में सहभागिता कर धर्मलाभ लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत भगवान के पूजन और अभिषेक के साथ हुई। इसके बाद विधिवत आरती की गई और भगवान को छप्पन भोग अर्पित किए गए। भक्ति और उत्साह से परिपूर्ण वातावरण में समाजजनों ने



भगवान के दर्शन कर सुख-समृद्धि की कामना की। पूजन के बाद छप्पन भोग का प्रसाद सभी को वितरित किया गया। आयोजन की खास बात यह रही कि समाज के सभी लोगों ने एक साथ बैठकर अन्नकूट की प्रसादी ग्रहण की। इससे सामाजिक एकजुटता और आपसी आत्मीयता का संदेश भी देखने को मिला। इस अवसर पर समाज अध्यक्ष राजेश माहेश्वरी ने उपस्थित सभी समाजजनों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि अन्नकूट महोत्सव केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि आपसी भाईचारे, सामाजिक एकता और समरसता को मजबूत करने का पर्व है। समाज के सभी लोग मिलकर इस परंपरा को निभाते हैं, जो हमारी सांस्कृतिक विरासत और पारिवारिक जुड़ाव का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि समाज की इस वर्षों पुरानी परंपरा को भविष्य में भी इसी उत्साह और सहभागिता के साथ जारी रखा जाएगा।

दोनी-अलोनी के जंगलों में तेंदुए की दस्तक, गांवों में दहशत

रबी की बोवनी, रात में सिंचाई के बीच बढ़ी किसानों की चिंता

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

वन परिक्षेत्र के सैलवाड़ा सर्किल अंतर्गत दोनी-अलोनी गांव के पास तेंदुआ दिखाई देने से ग्रामीणों में दहशत फैल गई है। सूचना मिलते ही वन विभाग ने आसपास के गांवों में मुनादी कराकर लोगों को सतर्क रहने की समझाइश दी। विभाग ने जंगल की ओर अकेले नहीं जाने, सुबह-शाम विशेष सावधानी बरतने और बच्चों को अकेले बाहर नहीं भेजने की अपील की है। मवेशियों को सुरक्षित स्थान पर बांधने तथा रात में अकेले निकलने से बचने को कहा गया है। वन्यजीव दिखाई देने पर उसके पास न जाने और तत्काल विभाग को सूचना देने की सलाह दी गई। अभियान में डिप्टी रेंजर सुशील श्रीवास्तव, वनरक्षक कपिल ठाकुर सहित कर्मचारी मौजूद रहे। वन विभाग के अनुसार तेंदूखेड़ा का



जंगल वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व से लगा है। घना जंगल, पानी के स्रोत और अनुकूल वातावरण वन्यजीवों को आकर्षित करते हैं। सूत्रों के मुताबिक क्षेत्र की चार रेंज में 25 से 30 तेंदुए होने का अनुमान है। इधर, गेहूं की बोवनी और रात में सिंचाई के चलते किसानों की चिंता बढ़ गई है। विभाग क्षेत्र में निगरानी रख रहा है और ग्रामीणों से सावधानी बरतने की अपील कर रहा है।

मेट्रो एंकर दो विशाल वाहन रैलियों का हुआ संगम, आदिवासियों के अधिकारों की रक्षा का लिया संकल्प

बिरसा मुंडा जयंती पर तेजगढ़ में उमड़ा जनसैलाब, जल-जंगल-जमीन के नारे गूंजे

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर तेजगढ़ में आदिवासी स्वाभिमान, अस्मिता और अधिकारों की आवाज बुलंद हुई। जय आदिवासी युवा शक्ति (जयस) के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में आदिवासी समाज सहित अन्य वर्गों के लोगों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। आयोजन के दौरान तेंदूखेड़ा-तारादेही चौराहे से सुबह 11 बजे विशाल वाहन रैली निकाली गई, जो विभिन्न गांवों से होते हुए तेजगढ़ पहुंची। वहीं दूसरी रैली जबेरा के ग्राम कलहेरा से शुरू हुई। दोनों रैलियां तेजगढ़ में मिलकर संयुक्त रूप से नगर भ्रमण करते हुए कार्यक्रम स्थल पहुंचीं। जयकारों और नारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा।



कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। वक्ताओं ने उनके संघर्ष, बलिदान और आदिवासी अधिकारों की रक्षा के लिए किए गए योगदान को याद किया। पूर्व विधायक प्रताप सिंह ने युवाओं से उनके आदर्शों पर चलने का आह्वान किया। जयस प्रदेश संगठन मंत्री श्रीकांत सिंह पोरते ने कहा कि जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए समाज को एकजुट होना होगा। उन्होंने संवैधानिक अधिकारों के प्रति जागरूकता को समाज के विकास के लिए जरूरी बताया।

दो रैलियों के संगम ने बढ़ाया आयोजन का उत्साह

बिरसा मुंडा जयंती पर तेजगढ़ में आयोजित कार्यक्रम के लिए दो विशाल वाहन रैलियां निकाली गईं। पहली रैली तेंदूखेड़ा-तारादेही चौराहे से सुबह 11 बजे रवाना हुई, जो विभिन्न गांवों से गुजरते हुए तेजगढ़ पहुंची। दूसरी रैली जबेरा के ग्राम कलहेरा से शुरू हुई। दोनों रैलियों के तेजगढ़ पहुंचने पर उनका संगम हुआ और इसके बाद संयुक्त रूप से नगर भ्रमण किया गया। रैली में शामिल लोग भगवान बिरसा मुंडा के जयकारे लगाते हुए जल, जंगल और जमीन की रक्षा का संदेश देते नजर आए। बड़ी संख्या में युवाओं और समाजजनों की भागीदारी ने आयोजन को विशेष बना दिया।

अधिकारों की जानकारी से ही संभव होगा समाज का उत्थान

सभा को संबोधित करते हुए जयस प्रदेश संगठन मंत्री श्रीकांत सिंह पोरते ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा का संघर्ष आदिवासी अस्मिता, अधिकार और स्वाभिमान की पहचान है। उनका जीवन आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज को अपने संवैधानिक अधिकारों की जानकारी होना जरूरी है। उन्होंने युवाओं और समाजजनों से एकजुट होकर सामाजिक उत्थान, विकास और जल-जंगल-जमीन की रक्षा के लिए काम करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में गिरधारी परस्ते, भगवान सिंह, मोहन ठाकुर, प्रताप तेकाम सहित बड़ी संख्या में जयस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गांव-गांव में झोलाछाप डॉक्टरों की दुकानें, इलाज के नाम पर खिलवाड़

तारादेही। थाना क्षेत्र के गांवों में झोलाछाप डॉक्टरों का जाल तेजी से फैल रहा है। बिना मेडिकल डिग्री और लाइसेंस के क्लीनिक संचालित कर रहे लोग ग्रामीणों की सेहत के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। आरोप है कि ये लोग धड़ल्ले से इंजेक्शन लगाने, ग्लूकोज चढ़ाने और दवाइयां देने का काम कर रहे हैं। गलत इलाज के कारण पूर्व में कई मरीजों की जान जाने और कुछ लोगों के हाथ-पैर में गंभीर संक्रमण होने के मामले भी सामने आए हैं।

समनापुर, तारादेही, पौड़ी, सर्रा, खमरिया, शिवलाल, बमनोदा, झमरा, सारसबगली, खमतरा, चदना और जामुन सहित कई गांवों में ऐसी क्लीनिक संचालित होने की शिकायतें हैं। ग्रामीणों का कहना है कि सरकारी अस्पताल दूर होने और समय पर



उपचार नहीं मिलने की मजबूरी का फायदा उठाकर ये लोग अपना कारोबार चला रहे हैं। गलत दवा और इंजेक्शन से मरीजों की हालत बिगड़ने पर उन्हें दमोह और जबलपुर ले जाना पड़ता है। ग्रामीणों का आरोप है कि शिकायतों के बाद स्वास्थ्य विभाग की कार्रवाई केवल खानापूर्ति बनकर रह जाती है। कुछ दिन क्लीनिक बंद रहने के बाद फिर शुरू हो जाती हैं। लोगों ने सभी गांवों में जांच कर अवैध क्लीनिकों पर सख्त कार्रवाई और सरकारी स्वास्थ्य सुविधाएं मजबूत करने की मांग की है।

आस्था और प्रकृति प्रेम का संगम बना छठ महोत्सव, 241 वेदियों पर हुई सूर्य उपासना



कंचनपुर तालाब में 11वें वर्ष हुआ आयोजन, शाम को अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य के बाद सुबह उदीयमान सूर्य की पूजा करने पहुंचीं महिलाएं

जबलपुर। आस्था, उपासना और प्रकृति प्रेम का पर्व छठ महोत्सव कंचनपुर तालाब में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। संदीप राठौर मित्र मंडल एवं कंचन युग सेवा समिति के तत्वावधान में 11वें वर्ष आयोजित महोत्सव में 241 पूजन वेदियां बनाई गईं। बड़ी संख्या में व्रती महिलाओं ने अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देकर छठी मैया से परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। हजारों श्रद्धालु सूर्य उपासना में शामिल हुए। सोमवार सुबह भी महिलाएं घाट पर पहुंचीं और उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। आयोजन में संदीप राठौर मित्र मंडल के सदस्यों सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक मौजूद रहे।

न्यूज विंडो

इलाज कराने पहुंची नाबालिग से डॉक्टर ने की छेड़छाड़, जान से मारने की दी धमकी



ग्वालियर। हजीरा स्थित सिविल अस्पताल में मानवता को शर्मसार करने का मामला सामने आया है। सीने में दर्द और घबराहट की शिकायत लेकर इमरजेंसी वार्ड पहुंची 17 वर्षीय किशोरी ने ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर सुरेंद्र शाक्य पर छेड़छाड़ और अभद्र व्यवहार करने का आरोप लगाया है। किशोरी का आरोप है कि विरोध करने पर डॉक्टर ने उसे जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस के अनुसार, किशोरी को रात करीब एक बजे अचानक सीने में तेज दर्द और घबराहट हुई। परिजन उसे सिविल अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां इमरजेंसी के कक्ष क्रमांक 22 में भर्ती कराया गया। आरोप है कि इसी दौरान डॉक्टर ने उसके साथ छेड़छाड़ की। घबराई किशोरी वार्ड से बाहर आई और अपनी बड़ी बहन व जीजा को घटना की जानकारी दी। परिजन किशोरी को लेकर ग्वालियर थाने पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने पीड़िता के बयानों के आधार पर आरोपी डॉक्टर के खिलाफ छेड़छाड़, पॉक्सो एक्ट सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया है। पुलिस अस्पताल के सीसीटीवी फुटेज खंगालकर मामले की जांच कर रही है।

इंदौर में मल्हारगंज अस्पताल की सोनोग्राफी मशीन खराब, गर्भवती महिलाएं परेशान



इंदौर। मध्य क्षेत्र के घनी आबादी वाले मल्हारगंज पाली क्लीनिक में प्रसूति सुविधा तो है, लेकिन गर्भवती महिलाओं की सोनोग्राफी जांच नहीं हो पा रही है। अस्पताल की मशीन लंबे समय से खराब पड़ी है। ऐसे में महिलाओं को सोनोग्राफी के लिए एमटीएच महिला प्रसूति गृह, पीसी सेठी या एमवाय अस्पताल रेफर किया जा रहा है। अस्पताल में फिलहाल एक भी स्त्री रोग विशेषज्ञ नहीं है। अटैचमेंट खत्म होने के बाद डॉ. नुसरत खान को 18 अक्टूबर को मानपुर भेज दिया गया। अब आयुष डॉक्टर निधि जैन महिलाओं का चेकअप कर रही हैं। विशेषज्ञ की कमी के कारण यहां सिजेरियन डिलीवरी भी नहीं होती और जटिल मामलों को एमटीएच रेफर करना पड़ता है। पांच माह की गर्भवती कुसुम कुमावत और रमा देवी को भी सोनोग्राफी के लिए दूसरे अस्पताल जाना पड़ा। परेशानी यहीं खत्म नहीं होती, अस्पताल में ईसीजी मशीन भी उपलब्ध नहीं है, जिससे हृदय संबंधी मरीजों की शुरुआती जांच प्रभावित हो रही है। अस्पताल प्रभारी डॉ. शैलेंद्र परिहार के मुताबिक, सोनोग्राफी मशीन के लिए सीएमएचओ को पत्र लिखा गया है। जल्द सुविधा दोबारा शुरू होने की उम्मीद है।

बिरसा मुंडा के जयकारों से गूंजा अनूपपुर जनजातीय गौरव दिवस पर निकाली



अनूपपुर। भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस उत्साह के साथ मनाया गया। जिला मुख्यालय स्थित एकलव्य आदर्श उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में

जिला स्तरीय कार्यक्रम के बाद जनजातीय कार्य विभाग ने किया आयोजन, जनप्रतिनिधियों, विद्यार्थियों और नागरिकों ने उत्साह से लिया हिस्सा

आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम के बाद जनजाति कार्य विभाग द्वारा रैली निकाली गई। इसमें जनप्रतिनिधियों, अधिकारी-कर्मचारियों, छात्र-छात्राओं और स्थानीय नागरिकों ने बड़ी संख्या में सहभागिता की। रैली के माध्यम से भगवान बिरसा मुंडा के योगदान और जनजातीय गौरव, संस्कृति एवं परंपराओं के प्रति सम्मान का संदेश दिया गया। आयोजन में युवाओं और विद्यार्थियों की भागीदारी विशेष रूप से उल्लेखनीय रही।

परिजनों ने डॉक्टरों और प्रबंधन पर लगाए लापरवाही के आरोप

वेंटिलेटर के इंतजार में थम गई 40 वर्षीय सुशील की सांसें, दो घंटे तक ICU में भटकते रहे परिजन

रीवा के संजय गांधी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत

गुढ़/रीवा। दोपहर मेट्रो

रीवा के संजय गांधी अस्पताल में वेंटिलेटर उपलब्ध नहीं होने के कारण गुढ़ निवासी 40 वर्षीय सुशील कुमार पांडेय की मौत का मामला सामने आया है। गुढ़ के वार्ड-13 निवासी सुशील की मौत के बाद परिजनों ने अस्पताल के डॉक्टरों और प्रबंधन पर गंभीर लापरवाही के आरोप लगाए हैं। परिजनों के अनुसार सुशील की अचानक तबीयत बिगड़ने पर उनका बेटा हृदेश पांडेय रात करीब 2 बजे उन्हें गंभीर हालत में अस्पताल लेकर पहुंचा था। इमरजेंसी में जांच के बाद डॉक्टरों ने उन्हें आईसीयू में शिफ्ट कर वेंटिलेटर पर रखने के निर्देश दिए।

परिजनों का आरोप है कि तीसरी मंजिल स्थित आईसीयू में पहुंचने पर वेंटिलेटर उपलब्ध नहीं मिला। वे करीब दो घंटे तक स्टाफ से वैकल्पिक व्यवस्था करने की गुहार लगाते रहे, लेकिन कोई इंतजाम नहीं हुआ। आखिरकार सुबह करीब 4 बजे सुशील ने दम तोड़ दिया। घटना के बाद अस्पताल की आपातकालीन सेवाओं और आईसीयू की व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े हो गए हैं। परिजनों ने पूछा कि वेंटिलेटर उपलब्ध नहीं था तो मरीज को तत्काल दूसरे अस्पताल में रेफर क्यों नहीं किया गया। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच और जिम्मेदारों की जवाबदेही तय करने की मांग की है।



रात 2 बजे गंभीर हालत में पहुंचे, नहीं मिला वेंटिलेटर

परिजनों के मुताबिक सुशील कुमार पांडेय की अचानक तबीयत बिगड़ने पर उनका बेटा हृदेश उन्हें रात करीब 2 बजे संजय गांधी अस्पताल लेकर पहुंचा। इमरजेंसी में डॉक्टरों ने जांच के बाद उनकी हालत गंभीर बताई और तीसरी मंजिल स्थित आईसीयू में वेंटिलेटर पर रखने के निर्देश दिए। परिजन मरीज को लेकर तत्काल आईसीयू पहुंचे, लेकिन वहां वेंटिलेटर उपलब्ध नहीं था। इसके बाद परिवार के सदस्य लगातार अस्पताल स्टाफ से जीवनरक्षक सुविधा उपलब्ध कराने की गुहार लगाते रहे। परिजनों का आरोप है कि इस दौरान कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की गई और सुबह करीब 4 बजे मरीज की मौत हो गई।

वेंटिलेटर नहीं था तो रेफर क्यों नहीं किया?

सुशील की मौत के बाद परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि जब इमरजेंसी में ही मरीज को वेंटिलेटर की जरूरत बता दी गई थी, तो आईसीयू में इसकी व्यवस्था क्यों नहीं थी? यदि अस्पताल में जीवनरक्षक उपकरण उपलब्ध नहीं था तो मरीज को समय रहते दूसरे अस्पताल में रेफर क्यों नहीं किया गया? परिजनों का मानना है कि समय पर वैकल्पिक उपचार की व्यवस्था होती तो सुशील की जान बच सकती थी। घटना ने संभाग के सबसे बड़े अस्पताल की आपातकालीन चिकित्सा व्यवस्था और आईसीयू की क्षमता पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

भरोसेमंद ऑपरेटर ही निकला मंडी लूटकांड का मास्टरमाइंड साले के साथ रची थी साजिश

500 से ज्यादा सीसीटीवी फुटेज और गुटखे के पाउच से खुला राज



रायसेन। कृषि उपज मंडी में व्यापारी मनोज राठौर की फर्म पर हुई लूट और मुनीम पदम सिंह यादव पर जानलेवा हमले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। वारदात का मास्टरमाइंड व्यापारी के यहां डेढ़ साल से काम कर रहा ऑपरेटर शिवा गौर निकला। उसने अपने साले घनश्याम कीर के साथ मिलकर लूट की साजिश रची थी। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

जांच में सामने आया कि मुनीम आरोपियों को पहचान सकते थे, इसलिए पहचान छिपाने के लिए उन्होंने ईंट से उनके चेहरे पर कई वार किए। हमले में मुनीम की एक आंख भी क्षतिग्रस्त हो गई। उन्हें गंभीर हालत में भोपाल के नर्मदा अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वारदात के बाद शिवा घायल मुनीम को अस्पताल पहुंचाने में मददगार बनकर साथ गया, लेकिन उसकी संदिग्ध गतिविधियों से व्यापारी को शक हुआ। घटनास्थल पर मिले गुटखे के पाउच और 500 से अधिक सीसीटीवी कैमरों के फुटेज की जांच अहम सुराग साबित हुई। फुटेज में चाल-ढाल और शारीरिक बनावट के मिलान के बाद पुलिस ने दोनों आरोपियों की संलिप्तता उजागर की। पुलिस उनसे पूछताछ कर रही है।

नर्मदा में दो नावों की भिड़ंत से मची चीख-पुकार, नाविकों ने बचाई श्रद्धालुओं की जान

ओंकारेश्वर। दोपहर मेट्रो

ज्योतिर्लिंग नगरी ओंकारेश्वर में रविवार शाम नर्मदा नदी में दो नावों की टक्कर से अफरा-तफरी मच गई। भिड़ंत के बाद एक नाव में पानी भरने लगा और वह डूबने की स्थिति में पहुंच गई। नाव में सवार गुजरात और बिहार के श्रद्धालुओं की जान पर बन आई, लेकिन आसपास मौजूद नाविकों की तत्परता से बड़ा हादसा टल गया। सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

जानकारी के अनुसार, नाव क्रमांक 70 के नाविक मनोज पुत्र हुकुम नाव को घाट पर लगा रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रही नाव क्रमांक 263 से उसकी टक्कर हो गई। दूसरी नाव लक्की पुत्र कालू चला रहा था। नाव में गुजरात से आए जयप्रकाश पटेल, पीनल पटेल, जिया, तनिष्क, सेजल, माही पटेल और कमलभाई सवार थे, जबकि दूसरी नाव में बिहार के श्रद्धालु बैठे थे।



टक्कर के बाद यात्री घबराकर खड़े हो गए, जिससे नाव का संतुलन बिगड़ा और उसमें पानी भरने लगा। नाव को डूबता देख आसपास के नाविक मदद के लिए पहुंचे और सभी श्रद्धालुओं को दूसरी नाव में बैठाकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। सभी यात्रियों ने लाइफ जैकेट पहन रखी थी। नगर परिषद सीएमओ मोनिका पारदी ने बताया कि घटना की पंचनामा कार्रवाई कर जांच की जा रही है। दोषी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

शीतला माता मंदिर हादसे को एक माह पूरा, अब भी मजिस्ट्रियल जांच में उलझे जवाबदेही के सवाल

16 श्रद्धालुओं की मौत और 42 लोगों के घायल होने के मामले में 40 से अधिक अधिकारियों के बयान दर्ज, सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी रिपोर्ट की जांच जारी

ग्वालियर। दोपहर मेट्रो

शीतला माता मंदिर के गेट पर 17 अक्टूबर की रात हुए भीषण ट्रक हादसे को कल एक माह पूरा हो जाएगा, लेकिन अब तक हादसे की असल वजह और इसके लिए जिम्मेदार अधिकारियों-कर्मचारियों की भूमिका स्पष्ट नहीं हो सकी है। नवरात्र मेले के दौरान हुए इस हादसे में बेकाबू ट्रक ने श्रद्धालुओं को कुचल दिया था, जिसमें 16 लोगों की मौत और 42 लोग घायल हुए थे। घटना के बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जांच के निर्देश दिए थे। कलेक्टर रुचिका चौहान के आदेश पर एडीएम सीबी प्रसाद मजिस्ट्रियल जांच कर रहे हैं।

एक माह से जारी जांच में अब तक 40 से अधिक अधिकारियों के बयान दर्ज किए जा चुके हैं। इनमें



सीएसपी, सीएमएचओ, डीएसपी ट्रैफिक और एसडीएम लश्कर सहित प्रशासन, पुलिस, पीडब्ल्यूडी, बिजली कंपनी तथा ट्रैफिक विभाग के अधिकारी शामिल हैं। पुलिस से ड्यूटी आदेश और घटनास्थल पर तैनात कर्मचारियों का पूरा रिकॉर्ड भी लिया गया है। मंदिर में मेले से पहले हुई बैठक में भारी वाहनों की आवाजाही प्रतिबंधित करने का निर्णय लिया गया था, इसके बावजूद ट्रक बैरिकेडिंग तोड़कर मंदिर गेट तक कैसे पहुंचा, यह जांच का अहम सवाल है। सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। ट्रक की मैकेनिकल और तकनीकी जांच रिपोर्ट भी मांगी गई है। प्रारंभिक आशंका ब्रेक प्रेशर फटने की जताई गई है। हादसे के बाद कई पुलिस अधिकारियों-कर्मचारियों को निलंबित किया गया था, जबकि सीएसपी रवि भदौरिया को पीएचक्यू अटैच किया गया। एडीएम ने तीन दिन तक आम लोगों से साक्ष्य मांगे, लेकिन कोई सामने नहीं आया। अब तकनीकी रिपोर्ट और जांच के निष्कर्षों का इंतजार है।

मेट्रो एंकर

अधारताल से महाराजपुर तक बनी चार किमी सीसी सड़क का एक किमी हिस्सा ग्रिलविहीन

चार करोड़ की सड़क पर चोरों का कब्जा, डिवाइडर से 15 लाख की ग्रिल गायब

जबलपुर। दोपहर मेट्रो

स्मार्ट सिटी के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च कर बनाई गई सड़क अब सरकारी संपत्ति की चोरी और बदहाली का शिकार है। अधारताल तालाब से महाराजपुर करौंदा नाला चौराहे तक करीब चार किलोमीटर लंबी सीसी सड़क का निर्माण लगभग चार करोड़ रुपये की लागत से कराया गया था। सड़क के डिवाइडर पर 15 लाख रुपये से अधिक खर्च कर लोहे की ग्रिल लगाई गई थी, लेकिन अब करीब एक किलोमीटर हिस्से से ग्रिल गायब हो चुकी है।

स्थानीय लोगों के मुताबिक ग्रिल धीरे-धीरे चोरी की जा रही है। आशंका जताई जा रही है कि चोरी का सामान आसपास के कबाड़ कारोबारियों तक पहुंचाया जा रहा है।



रात में ग्रिल निकालकर ले जाने की बातें भी सामने आई हैं। इसके बावजूद निगरानी और रोकथाम के पुख्ता इंतजाम नजर नहीं आते। डिवाइडर पर लगाए गए पौधे भी गायब हैं। कई जगह बेशर्म के पौधे उग आए हैं, जिससे सड़क की सुंदरता प्रभावित हो रही है। मामले में अधारताल थाने में शिकायत की गई, लेकिन अब तक प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। नगर निगम के अधीक्षण यंत्री कमलेश श्रीवास्तव ने बताया कि उन्हें मामले की जानकारी है। उनका प्रयास रहेगा कि ग्रिल आसानी से निकाली न जा सके। सवाल यह है कि लाखों की सरकारी संपत्ति की सुरक्षा और रखरखाव की जिम्मेदारी आखिर किसकी है?

शिकायत हुई, लेकिन ग्रिल चोरी रोकने के इंतजाम नाकाफी

डिवाइडर से लगातार ग्रिल गायब होने के बावजूद नगर निगम की निगरानी व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। बताया जा रहा है कि अधारताल थाने में चोरी की शिकायत दर्ज कराई गई थी, लेकिन इसके बाद भी चोरी रोकने के लिए कोई ठोस कदम नजर नहीं आया। स्थानीय लोगों का कहना है कि रात के समय ग्रिल निकालकर ले जाने की गतिविधियां होती हैं। आसपास के कबाड़ कारोबारियों तक चोरी की ग्रिल पहुंचने की आशंका भी जताई जा रही है। लोगों की मांग है कि पुलिस और नगर निगम संयुक्त रूप से जांच करें और जिम्मेदारों की जवाबदेही तय करें।

पौधे गायब, डिवाइडर पर उगी बेशर्म की झाड़ियां

सड़क के डिवाइडर को सुंदर और व्यवस्थित बनाने के लिए ग्रिल के साथ पौधे भी लगाए गए थे। देखरेख के अभाव में अब कई स्थानों से पौधे गायब हो चुके हैं। अधारताल से सुहागी के बीच ठेकेदार द्वारा पौधों की देखभाल किए जाने की बात कही जा रही है, जबकि सुहागी से महाराजपुर तक डिवाइडर पर बेशर्म की झाड़ियां उग आई हैं। ग्रिल और पौधों के गायब होने से सड़क का सौंदर्य बिगड़ गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि संबंधित एजेंसियां निरीक्षण कर पौधों को दोबारा लगवाएं और नियमित रखरखाव सुनिश्चित करें।

डब्ल्यूटीए फाइनल्स



मीरा एंड्रीवा ने जेसिका पेगुला को हराकर फाइनल में जगह बनाई

इंडियन। मीरा एंड्रीवा ने 1 घंटे 25 मिनट तक चले मुकाबले में जेसिका पेगुला को 6-3, 6-4 से हराकर डब्ल्यूटीए फाइनल्स के खिताबी मुकाबले में जगह बना ली है। फाइनल में एंड्रीवा का मुकाबला एलिना स्वितोलिना से होगा। 19 साल की एंड्रीवा, 2009 में कैरोलिन वोज्नियाकी के बाद से सेमीफाइनल में पहुंचने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी हैं। कुल मिलाकर, एंड्रीवा ने 48 गेम जीते हैं, और सिर्फ 18 हारे हैं। डब्ल्यूटीए की रिपोर्ट के अनुसार, 2003 में राउंड रॉबिन फॉर्मेट शुरू होने के बाद से फाइनल तक पहुंचने के रास्ते में यह सबसे कम गेम हारे हैं।

इसके अलावा, वह 2004 में मारिया शारापोवा के बाद फाइनल में पहुंचने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी हैं और सेरेना विलियम्स और क्रिस एवर्ट के साथ फेज डब्ल्यूटीए फाइनल्स में अपने पहले चार मैच सीधे सेटों में जीतने वाली तीसरी खिलाड़ी हैं।

न्यूजीलैंड में रोहित-विराट का फ्लॉप शो, 2027 विश्व कप को लेकर बड़ा सवाल

चार पारियों में रोहित के सिर्फ 30 रन, विराट भी नहीं चले

नई दिल्ली, एजेंसी

न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज भारतीय क्रिकेट के दो सबसे अनुभवी बल्लेबाजों रोहित शर्मा और विराट कोहली के लिए निराशाजनक साबित हुई। दोनों दिग्गजों का बल्ला खामोश रहा और उनकी लगातार नाकामी ने 2027 विश्व कप की तैयारियों को लेकर टीम प्रबंधन की चिंता बढ़ा दी है। चार मुकाबलों में रोहित महज 30 रन बना सके, जबकि विराट भी 60 रन का आंकड़ा पार नहीं कर पाए। चौथे वनडे में तो दोनों बल्लेबाज तेज गेंदबाज मैट हेनरी के पहले ही ओवर में बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए। इसका असर पूरी टीम पर पड़ा और भारतीय बल्लेबाजी महज 89 रन पर सिमट गई। अब सवाल यह है कि क्या दोनों दिग्गज अपनी पुरानी लय हासिल कर पाएंगे या चयनकर्ता भविष्य की टीम तैयार करने के लिए नए चेहरों पर दांव लगाएंगे?

न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में रोहित शर्मा की बल्लेबाजी बेहद निराशाजनक रही। उन्होंने चार पारियों में 0, 23, 0 और 7 रन बनाए। उनका औसत महज 7.50 रहा। रोहित जैसे अनुभवी सलामी बल्लेबाज से टीम को तेज और मजबूत शुरुआत की उम्मीद थी, लेकिन वह नई गेंद के सामने लगातार संघर्ष करते दिखाई दिए। दूसरी ओर विराट कोहली भी अपनी प्रतिष्ठा के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर सके। चार पारियों में वह 60 रन भी नहीं बना पाए और उनके बल्ले से एक भी अर्धशतक नहीं निकला। खास बात यह है कि अक्टूबर 2026 में वेस्टइंडीज के खिलाफ नाबाद 139 रन की शानदार पारी खेलने के बाद विराट से न्यूजीलैंड में भी बड़े प्रदर्शन की उम्मीद थी। लेकिन तेज गेंदबाजों की स्विंग और उछाल ने उनकी मुश्किलें बढ़ा दीं।



चौथे वनडे में दोनों शून्य पर लौटे पवेलियन

सीरीज का चौथा मुकाबला भारतीय टीम के लिए किसी बुरे सपने से कम नहीं रहा। मैट हेनरी ने पारी के पहले ही ओवर में रोहित और विराट दोनों को अपना शिकार बना लिया। दोनों के शून्य पर आउट होने से भारतीय टीम दबाव में आ गई। इसके बाद पूरी बल्लेबाजी बिखर गई और भारत सिर्फ 89 रन बना सका। न्यूजीलैंड ने यह मुकाबला 244 रन से जीतकर भारतीय बल्लेबाजी की कमजोरियों को उजागर कर दिया। पांचवें वनडे में भी दोनों अनुभवी बल्लेबाज बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे। न्यूजीलैंड दौरे के बाद अब भारतीय टीम का ध्यान घरेलू मुकाबलों पर रहेगा। दिसंबर 2026 में श्रीलंका के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज रोहित और विराट के लिए वापसी का बड़ा अवसर होगी। इसके बाद जनवरी 2027 में जिम्बाब्वे की टीम भारत दौरे पर आएगी। दोनों सीरीज विश्व कप से पहले अपनी बल्लेबाजी को मजबूत करने का अच्छा मौका होंगी। भारतीय परिस्थितियों में बल्लेबाजी करना अपेक्षाकृत अनुकूल हो सकता है, लेकिन दोनों को लगातार रन बनाकर अपनी उपयोगिता साबित करनी होगी।

युवाओं को मौका देने की तैयारी

भारतीय क्रिकेट इस समय बदलाव के दौर से गुजर रहा है। शुभमन गिल को वनडे टीम की कप्तानी सौंपी जा चुकी है। दूसरी ओर चयनकर्ताओं की नजर यशस्वी जायसवाल, ऋतुराज गायकवाड़ और साई सुदर्शन जैसे युवा बल्लेबाजों पर है। इन खिलाड़ियों ने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी प्रतिभा दिखाई है। ऐसे में टीम प्रबंधन भविष्य की जरूरतों को देखते हुए इन्हें अधिक मौके दे सकता है। यदि रोहित और विराट आगामी सीरीज में भी उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाते हैं तो चयनकर्ताओं के सामने नए विकल्पों को आजमाने का रास्ता खुल सकता है।

2027 विश्व कप में जगह बचाने की चुनौती

2027 का वनडे विश्व कप दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया की संयुक्त मेजबानी में खेला जाएगा। दक्षिण अफ्रीका की पिचों पर तेज गेंदबाजों को अतिरिक्त उछाल और स्विंग मिलती है। न्यूजीलैंड में जिस तरह दोनों बल्लेबाज नई गेंद के सामने संघर्ष करते दिखे, उसे देखते हुए विश्व कप की तैयारियों पर काम करना जरूरी होगा। टूर्नामेंट के समय रोहित करीब 40 वर्ष और विराट 38 वर्ष के होंगे। ऐसे में उनकी फिटनेस और मौजूदा फॉर्म अहम भूमिका निभाएगी।

लक्ष्य सेन ने रचा इतिहास, लगातार दूसरा वर्ल्ड टूर खिताब जीता, बोले

खुद पर भरोसा, संघर्ष जारी रखा और चैंपियन बन गया, अब हांगकांग ओपन पर टिकी नजर

कुमामोटो।, एजेंसी

भारतीय बैडमिंटन के सितारे लक्ष्य सेन ने जापान में अपने शानदार प्रदर्शन से इतिहास रच दिया है। उन्होंने रविवार को कुमामोटो मास्टर्स का खिताब जीतकर यह उपलब्धि हासिल करने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बनने का गौरव प्राप्त किया। लक्ष्य ने लगातार दूसरा बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब अपने नाम कर अपनी बेहतरीन फॉर्म का भी परिचय दिया। पुरुष एकल के रोमांचक फाइनल में उन्होंने जापान के कोकी वातानाबे को 13-21, 21-18, 21-14 से हराकर खिताब पर कब्जा जमाया। पहला गेम गंवाने के बावजूद लक्ष्य ने जिस जुझारूपन और आत्मविश्वास के साथ वापसी की, उसने उनके चैंपियन बनने के इरादे साफ कर दिए।

हार से उबरकर पलटा मुकाबला- फाइनल मुकाबले में शुरुआत लक्ष्य के पक्ष में नहीं रही। जापानी खिलाड़ी कोकी वातानाबे ने पहले गेम में आक्रामक खेल दिखाते हुए 21-13 से जीत दर्ज की। हालांकि, इसके बाद लक्ष्य ने अपनी रणनीति में बदलाव किया और मुकाबले में वापसी की। दूसरे गेम में उन्होंने 21-18 से जीत हासिल कर मुकाबला बराबरी पर ला दिया। निर्णायक गेम में भारतीय खिलाड़ी ने शुरुआत से ही दबाव बनाए रखा और 21-14 से गेम जीतकर खिताब अपने नाम कर लिया। एक घंटे चार मिनट तक चले इस मुकाबले में लक्ष्य ने धैर्य, आक्रामकता और बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया।



मुश्किल मैचों में खुद पर रखा भरोसा

लगातार दूसरी खिताबी जीत के बाद लक्ष्य ने अपनी सफलता का श्रेय आत्मविश्वास और संघर्ष करने की क्षमता को दिया। उन्होंने कहा कि कई मुकाबलों में खराब शुरुआत के कारण उन्हें पहला गेम गंवाना पड़ा, लेकिन उन्होंने खुद पर भरोसा बनाए रखा। खेल जारी रखा और हार मानने के बजाय वापसी की कोशिश की। लक्ष्य के मुताबिक, मुश्किल परिस्थितियों में मानसिक मजबूती ने उन्हें जीत तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई।

पिछले साल से एक कदम आगे निकले- कुमामोटो में मिली यह जीत लक्ष्य के लिए इसलिए भी खास है, क्योंकि पिछले साल वह इसी प्रतियोगिता के सेमीफाइनल तक पहुंचे थे। इस बार उन्होंने अपने प्रदर्शन को और बेहतर करते हुए सीधे खिताब पर कब्जा जमाया। इससे पहले नवंबर की शुरुआत में उन्होंने जर्मनी में हाइलो ओपन का खिताब जीता था। उनके करियर में पहली बार ऐसा हुआ है, जब उन्होंने एक ही सत्र में दो वर्ल्ड टूर खिताब अपने नाम किए हैं।

तकनीक आपकी मदद कर सकती है, लेकिन खुद पर भरोसा करना होगा: सचिन

मुंबई। विश्व के महानतम बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने युवा खिलाड़ियों को क्रिकेट में तकनीक और अपनी स्वाभाविक सूझबूझ के बीच सही संतुलन बनाने की नसीहत दी है। उन्होंने कहा कि तकनीक को खिलाड़ी की तैयारी में मददगार होना चाहिए, न कि मैदान पर उनके स्वाभाविक फैसलों में रुकावट डालने वाली चीज।

तेंदुलकर मुंबई में आयोजित इंडियन स्ट्रीट प्रीमियर लीग(आईएसपीएल) सीजन 4 की खिलाड़ियों की नीलामी में मौजूद थे। वे आईएसपीएल की कोर कमेटी के सदस्य भी हैं। नीलामी के दौरान, मास्टर ब्लास्टर ने युवा क्रिकेटर्स को कुछ अहम सुझाव दिए। तेंदुलकर ने कहा, तकनीक को मददगार होना चाहिए, न कि ध्यान भटकाने वाली चीज। अभ्यास के दौरान इसका इस्तेमाल करें, लेकिन जब आप मैदान पर खेलने उतरें, तो अपनी स्वाभाविक सूझबूझ पर भरोसा रखें और अपने अवचेतन मन को काम करने दें। क्रिकेट में, जब कोई गेंदबाज गेंद डालने के लिए दौड़ता है, तो बल्लेबाज के पास सोचने के लिए बहुत कम समय होता है। आपके पास अपनी गेम प्लान हो सकती है, लेकिन मैदान पर उतरने के बाद, दिमाग को शांत रखना और अपनी स्वाभाविक प्रतिक्रिया पर भरोसा करना जरूरी है।

किसी को नीचा दिखाना मकसद नहीं था...

एशिया कप के हीरो मोहित उल्वा ने जीत का जश्न मनाने पर बयां किए दिल के जज्बात

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट मुकाबला हो तो मैदान पर रोमांच के साथ खिलाड़ियों की भावनाएं भी देखने को मिलती हैं। एसीसी मेन्स अंडर-19 एशिया कप 2026 के फाइनल में पाकिस्तान को हराकर भारतीय खिलाड़ियों ने जमकर जश्न मनाया। इस जश्न को लेकर अब टीम इंडिया के खिलाड़ी मोहित उल्वा ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि भारतीय खिलाड़ियों का मकसद किसी विरोधी खिलाड़ी को चिढ़ाना या नीचा दिखाना नहीं था, बल्कि अपनी ऐतिहासिक जीत की खुशी मनाना था। स्टार स्पोर्ट्स से बातचीत में मोहित उल्वा ने कहा कि भारत-पाकिस्तान के बीच फाइनल मुकाबला था, इसलिए मैदान पर भावनाएं आना स्वाभाविक था। लीग स्टेज में पाकिस्तान ने भारत को हराने के बाद जिस तरह जश्न मनाया था, भारतीय खिलाड़ियों ने उसे व्यक्तिगत तौर पर नहीं लिया था। मोहित ने कहा कि पाकिस्तान के खिलाड़ी अपनी जीत का जश्न मना रहे थे और भारतीय टीम ने भी खिताबी जीत के बाद वही किया। उन्होंने साफ किया कि टीम किसी को कुछ दिखाने या जवाब देने के इरादे से जश्न नहीं मना रही थी। खिलाड़ी सिर्फ अपनी जीत की खुशी एक-दूसरे के साथ साझा कर रहे थे।



आखिरी गेंद पर चौका लगाकर दिलाई जीत

फाइनल मुकाबले में मोहित उल्वा भारतीय टीम के सबसे बड़े हीरो बनकर उभरे। आखिरी ओवर में भारत को जीत के लिए 8 रन की जरूरत थी और टीम के पास केवल एक विकेट बचा था। आखिरी गेंद पर जीत के लिए तीन रन चाहिए थे। ऐसे दबाव भरे पल में मोहित ने चौका लगाकर भारत को एक विकेट से यादगार जीत दिला दी। उन्होंने महज 26 गेंदों पर नाबाद 49 रन की शानदार पारी खेली। उनके इस प्रदर्शन ने भारत को नौवीं बार अंडर-19 एशिया कप का चैंपियन बना दिया।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

कॉफी विद करण में अनन्या का एक्स कनेक्शन कार्तिक को वीडियो कॉल करते ही मचा हंगामा

करण जौहर का चर्चित चैट शो कॉफी विद करण एक बार फिर अपने मजेदार खुलासों और दिलचस्प पलों को लेकर चर्चा में है। शो के नौवें सीजन के आगामी एपिसोड में अभिनेत्री अनन्या पांडे और गायिका अनन्या बिड़ला मेहमान बनकर पहुंचेंगी। एपिसोड का प्रोमो सामने आते ही सोशल मीडिया पर हलचल मच गई है। इसकी सबसे बड़ी वजह अनन्या पांडे का अपने पुराने करीबी दोस्तों को फोन करना और इस दौरान अभिनेता कार्तिक आर्यन का कॉल उठा लेना है। दोनों अनन्या की मस्ती और करण जौहर की हंसी ने प्रोमो को खास बना दिया है।

करण जौहर ने आगामी एपिसोड का प्रोमो साझा किया। इसमें शो के लोकप्रिय फोन कॉल वाले खेल के दौरान दोनों मेहमानों को अपने सेलिब्रिटी दोस्तों को फोन करना था। उन्हें सामने वाले से यह कहलवाना था कि %हे करण, मैं बोल रहा हूं!% इस खेल में अनन्या पांडे ने आदित्य रॉय कपूर और ईशान खट्टर को फोन लगाने की कोशिश की। इसी दौरान कार्तिक आर्यन ने उनका वीडियो कॉल उठा लिया। बस फिर क्या था, अनन्या बिड़ला ने अभिनेत्री की चुटकी लेते हुए कहा कि वह अपने सभी पुराने रिश्तों को एक-एक करके फोन कर रही हैं। उनकी इस टिप्पणी पर करण जौहर भी अपनी हंसी नहीं रोक पाए। प्रोमो का यही हिस्सा दर्शकों के बीच सबसे ज्यादा चर्चा बटोर रहा है। अनन्या पांडे का नाम पहले अभिनेता ईशान खट्टर के साथ जुड़ चुका है। दोनों के बीच नजदीकियों की खबरें काफी समय तक चर्चा में रहीं। हालांकि, बाद में दोनों अलग हो गए।



कार्तिक के नाम पर भी बढ़ी चर्चा

हाल के दिनों में अनन्या और कार्तिक आर्यन के बीच नजदीकियों को लेकर भी चर्चाएं होती रही हैं। दोनों ने फिल्म पति पत्नी और वो में साथ काम किया था। अब फिल्म तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी को लेकर भी दोनों चर्चा में हैं।

सोशल मीडिया पर वायरल हुआ प्रोमो

प्रोमो सामने आने के बाद प्रशंसकों ने कमेंट की बौछार कर दी। किसी ने कार्तिक के वीडियो कॉल उठाने पर हैरानी जताई तो किसी ने अनन्या की फोन कॉल वाली मस्ती को लेकर मजेदार प्रतिक्रिया दी। अब दर्शकों को पूरे एपिसोड का इंतजार है, जिसमें दोनों मेहमानों की बातचीत और करण जौहर के सवालों से मनोरंजन का नया तड़का लगने वाला है।

नींद में भी पूरी परफॉर्मेंस देते थे विक्की कौशल, भाई सनी को आधी रात में कहा-मेरा पेपर चेक करो

बॉलीवुड अभिनेता विक्की कौशल की एक्टिंग के लोग दीवाने हैं। बचपन में भी उनका परफॉर्मेंस देने का अंदाज कुछ ऐसा ही था कि घरवाले भी हैरान रह जाते थे। वह सोते-सोते ऐसी बातें करते थे, जैसे सच में किसी से बातचीत कर रहे हों। कभी अचानक उठकर भाई सनी कौशल से अपना पेपर चेक करने को कहते, तो कभी मां को बताते कि कोई उनका पर्स छीनकर ले गया है। विक्की की इसी मजेदार आदत का खुलासा सनी ने द ग्रेट इंडियन कपिल शो में किया था।

विक्की और सनी कौशल शो के पहले सीजन में साथ पहुंचे थे। बातचीत के दौरान सनी ने बताया कि उनके बड़े भाई बचपन में नींद में सिर्फ बड़बड़ाते ही नहीं थे बल्कि ऐसा लगता था जैसे कोई पूरा सीन परफॉर्म कर रहे हों। सनी के लिए कई बार यह समझना मुश्किल हो जाता था कि विक्की सच में जाग रहे हैं या फिर नींद में ही बोल रहे हैं। सनी ने कहा, बचपन में वह नींद में बातें करता था। आमतौर पर लोग नींद में कुछ बड़बड़ाते हैं लेकिन वह तो पूरी परफॉर्मेंस देता था। मुझे समझ ही नहीं आता था कि वह जाग रहा है या सो रहा है। सनी ने इसी आदत से जुड़ा एक ऐसा किस्सा सुनाया, जिसे सुनकर शो में मौजूद लोग भी हंसने लगे। उन्होंने बताया, %%एक रात हम दोनों भाई एक ही कमरे में सो रहे थे। विक्की मुझसे 45 मिनट पहले सो गए थे और गहरी नींद में थे। मैं भी सोने की तैयारी कर रहा था, तभी अचानक विक्की ने अपनी चादर हटाई और उनसे कहा, चेक करो। उन्होंने कहा, मुझे समझ नहीं आया कि आखिर किस चीज की बात हो रही है। मैंने पूछा कि क्या चेक करना है? इस पर विक्की ने नींद में ही जवाब दिया, मेरा पेपर हो गया है, चेक करो। यह सुनकर मैं हैरान रह गया। वह गहरी नींद में था लेकिन बातें ऐसे कर रहा था जैसे अभी-अभी एग्जाम देकर उठा हो और अब उसे अपना पेपर चेक करवाना हो।





मेट्रो बाजार

दिल्ली में प्रदूषण बढ़ने से एयर प्यूरीफायर की मांग 3 गुना बढ़ी

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ने के कारण लोगों की स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं बढ़ गई हैं। प्रदूषण से बचाव के लिए लोग घरों और दफ्तरों में एयर प्यूरीफायर का इस्तेमाल कर रहे हैं। इसके चलते बाजार में एयर प्यूरीफायर की मांग में करीब पांच गुना तक बढ़ोतरी दर्ज की गई है। व्यापारियों के अनुसार, कुछ कंपनियों के पास एयर प्यूरीफायर का स्टॉक भी खत्म हो गया है।

दिल्ली और देश के व्यापारियों एवं उद्यमियों के प्रमुख संगठन चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) के चेयरमैन बृजेश गोयल ने बताया कि दिल्ली में प्रदूषण बढ़ने के साथ ही एयर प्यूरीफायर की बिक्री में तेजी आई है। पहले एक दुकान पर प्रतिदिन औसतन चार एयर प्यूरीफायर बिकते थे, जबकि अब यह संख्या बढ़कर करीब 20 प्रतिदिन हो गई है। सीटीआई चेयरमैन बृजेश गोयल और महासचिव गुरमीत अरोड़ा ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र लिखकर एयर प्यूरीफायर और एचईपीए फिल्टर पर लगने वाले 18 प्रतिशत जीएसटी को घटाकर 5 प्रतिशत करने की मांग की है। संगठन का कहना है कि प्रदूषण के मौजूदा हालात में एयर प्यूरीफायर आम लोगों की जरूरत बन गए हैं। ऐसे में इन पर अधिक जीएसटी लगने से इनकी कीमत बढ़ जाती है और आम आदमी के लिए इन्हें खरीदना मुश्किल हो जाता है। बृजेश गोयल ने कहा कि दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक 400 के पार पहुंच चुका है। डॉक्टरों के अनुसार, प्रदूषित हवा में सांस लेना स्वास्थ्य के लिए बेहद खतरनाक है। ऐसे हालात में एयर प्यूरीफायर लग्जरी नहीं बल्कि जरूरत बन गया है।

केन्स टेक्नोलॉजी का दूसरी तिमाही में शुद्ध लाभ 62 प्रतिशत गिरकर 45 करोड़ रहा

मुंबई। केन्स टेक्नोलॉजी का मुनाफा वित्त वर्ष 27 की दूसरी तिमाही में सालाना आधार पर 62 प्रतिशत कम होकर 45.4 करोड़ रुपए हो गया है। कंपनी के मुनाफे में कमी की वजह अधिक वित्त लागत और कर्मचारियों से जुड़े खर्चों का दबाव है, जबकि इस तिमाही के दौरान आय में मामूली वृद्धि ही देखने को मिली।

स्टॉक एक्सचेंज में दी गई जानकारी के अनुसार, इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग सर्विसेज कंपनी ने वित्त वर्ष 2027 की दूसरी तिमाही के लिए 952.5 करोड़ रुपए की कंसोलिडेटेड आय दर्ज की। यह पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि के मुकाबले 4 प्रतिशत की वृद्धि है। सितंबर तिमाही के दौरान कंपनी की वित्तीय लागत तीन गुना से भी अधिक बढ़कर 39 करोड़ रुपए हो गई, जबकि पिछले साल की इसी अवधि में यह 13 करोड़ रुपए थी। कर्मचारियों के लाभ से जुड़े खर्च भी एक साल पहले के 77 करोड़ रुपए से बढ़कर 103 करोड़ रुपए हो गए, जिससे कंपनी की कमाई पर और अधिक दबाव पड़ा।

नियामक फाइलिंग के अनुसार, ईबीआईटीडीए सालाना आधार पर 15.7 प्रतिशत घटकर 126.5 करोड़ रुपए रह गया। कंपनी के परिचालन प्रदर्शन पर भी दबाव रहा, जिससे ईबीआईटीडीए मार्जिन पिछले साल की इसी तिमाही के 16.3 प्रतिशत से घटकर 13.28 प्रतिशत पर आ गया। तिमाही नतीजों के साथ-साथ, केन्स टेक्नोलॉजी ने टोयोकावा टेक्नो प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक जॉइंट वेंचर समझौते पर हस्ताक्षर करने की घोषणा की। यह प्रस्तावित जॉइंट वेंचर थिन-फिल्म ट्रांजिस्टर डिस्प्ले मॉड्यूल, एफओसी/सीओजी बॉन्डिंग, बैकलाइट असेंबली, ऑप्टिकल बॉन्डिंग, सॉफ्टवेयर, रिसर्च एंड डेवलपमेंट और ऑटोमेटेड मैन्युफैक्चरिंग सिस्टम के निर्माण, असेंबलिंग, टेस्टिंग और सप्लाई पर ध्यान केंद्रित करेगा।



छठ पर आस्था का उमड़ा सैलाब, जयकारों से गूंजे घाट



काशी घाट



काशी के 84 घाटों, गंगा उस पार, 130 कुंडों-पोखरों और वरुणा नदी के किनारे पूजा स्थलों पर भोर से ही व्रती महिलाओं और श्रद्धालुओं की भीड़ जुटने लगी। सबसे ज्यादा व्रती और श्रद्धालु सामने घाट से नमो घाट और गंगा उस पार दिखे। सूरज के उगते ही अस्सी से दशाश्वमेध तक की गलियों में घंटों तक देव दीपावली जैसी भीड़ रही। रविवार शाम अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देने के बाद व्रती महिलाएं सुबह की पूजा की तैयारी में जुट गई थीं। सोमवार तड़के चार बजे से ही महिलाएं परिवार के सदस्यों के साथ पूजन सामग्री लेकर घाटों पर पहुंचने लगीं। सूर्य की पहली किरण दिखाई देते ही महिलाओं ने जल और दूध से अर्घ्य अर्पित किया। इस दौरान घाटों पर छठ गीतों और जयकारों की गूंज रही।

गाजियाबाद



तड़के से ही गंगनहर घाट पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। पूर्वांचल समाज के हजारों श्रद्धालुओं ने छठी मैया की पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। सोमवार को श्रद्धालु सुबह होने से पहले ही पूजा सामग्री लेकर घाट पर पहुंचने शुरू हो गए थे। व्रती महिलाओं ने पारंपरिक सूप में फल, ठेकुआ और अन्य प्रसाद सजाकर जल में खड़े होकर उगते सूर्य को अर्घ्य दिया। इसके साथ ही 36 घंटे के निर्जला व्रत का पारण कर चार दिवसीय छठ महापर्व का समापन किया। घाटों पर छठी मैया के पारंपरिक गीत गूंजते रहे। महापर्व को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन की ओर से घाट पर सुरक्षा और व्यवस्था के विशेष इंतजाम किए गए थे।

मुजफ्फरपुर



छठ पूजा को लेकर मुजफ्फरपुर जिले के प्रमुख घाटों पर विशेष रौनक रही। शहर के सीढ़ी घाट, आश्रम घाट, लकड़ीढही घाट, अखाड़ा घाट और चंदवारा घाट सहित कई स्थानों पर हजारों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। इसके अलावा ब्रह्मपुरा पोखर, तीन पोखरिया, पड़ाव पोखर, साहू पोखर मंदिर तालाब और रामदयालु कॉलेज परिसर स्थित घाटों पर भी श्रद्धालुओं ने पूरे विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। घाटों पर सुबह से ही छठी मईया के जयकारे गूंजते रहे। उगते सूर्य की पहली किरण के साथ श्रद्धालुओं ने पानी में खड़े होकर अर्घ्य दिया। इस दौरान पारंपरिक छठ गीतों की मधुर धुन ने माहौल को और भक्तिमय बना दिया। 'उठे सूर्य भगवान, अंगना में दीहीं दर्शन' जैसे गीतों के बीच व्रतियों ने सूर्य देव की आराधना की।

पटना



मधुबनी के कमला बलान नदी स्थित परतापुर घाट पर जहां व्रती चचरी पुल के सहारे नदी पार कर पहुंचे, वहीं भोजपुर के कोइलवर में सोन नदी के तट पर हजारों श्रद्धालुओं ने अर्घ्य अर्पित किया। यहां छठ व्रतियों को चचरी पुल के सहारे नदी पार करनी पड़ती है। इस रास्ते से गुजरने में खतरा बना रहता है। इसे देखते हुए जिला प्रशासन ने सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए थे। कमला पूजा कमेटी के 51 सदस्य भी घाट पर लगातार निगरानी कर रहे थे। झंझारपुर और कोइलवर स्थित सोन नदी के तट पर सुबह से ही हजारों की संख्या में छठव्रती और श्रद्धालु पहुंचने लगे थे।चचरी पुल से नदी पार कर हजारों लोगों के घाट पहुंचने के कारण सुरक्षा को लेकर प्रशासन की सतर्कता अहम बनी हुई है।

न्यूज विंडो

बोलेरो से भिड़ी बस, फिर एम्बुलेंस व कार को मारी टक्कर, एक मौत

जयपुर। जोबनेर-रेनवाल राजमार्ग पर भोजपुरा स्टैंड के पास बस, एम्बुलेंस समेत चार वाहनों की आमने-सामने टक्कर हो गई. हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि करीब 15 लोग घायल बताए जा रहे हैं। घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। जयपुर के जोबनेर में चार वाहनों की जोरदार भिड़ंत के बाद कई गाड़ियां क्षतिग्रस्त हो गई हैं। भोजपुरा स्टैंड के पास एक तेज रफ्तार प्राइवेट बस ने एक के बाद एक तीन वाहनों को टक्कर मार दी। हादसे में बस, बोलेरो, एम्बुलेंस और एक कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। जानकारी के मुताबिक, हादसा शाम करीब 7 बजे हुआ। प्राइवेट बस जयपुर से सवारियां लेकर दांतारामगढ़ जा रही थी। इसी दौरान भोजपुरा स्टैंड के पास बस सामने से आ रही बोलेरो से टकरा गई।

बिना अनुमति नाबालिक किशौरी का किया गर्भपात, डॉक्टर गिरफ्तार

बिलासपुर। पुलिस ने नाबालिग किशोरी का नियम विरुद्ध तरीके से गर्भपात कराने के मामले में एक महिला डॉक्टर को गिरफ्तार किया है। आरोपी डॉक्टर ने शासन से आवश्यक अनुमति लिए बिना ही नाबालिग का अबॉर्शन किया था। पुलिस इस मामले में पहले ही पीड़िता का शोषण करने वाले मुख्य आरोपी युवक को गिरफ्तार कर चुकी है। जांच में साक्ष्य मिलने के बाद अब डॉक्टर के खिलाफ भी कार्रवाई की गई है। पुलिस के अनुसार तोरवा थाना क्षेत्र के निवासी आरोपी ने नाबालिग किशोरी को शादी का झांसा देकर उसका दैहिक शोषण किया था। इसके बाद आरोपी ने महिला डॉक्टर के सहयोग से किशोरी का गर्भपात कराया। डॉक्टर को किशोरी के नाबालिग होने की पूरी जानकारी थी, इसके बावजूद उसने अबॉर्शन किया।

नाबालिग से दुष्कर्म मामले में कांग्रेस विधायक पर एसटी आयोग सख्त

रांची। सिमडेगा से कांग्रेस विधायक भूषण बाड़ा पर नाबालिग आदिवासी घरेलू सहायिका से दुष्कर्म के आरोप के मामले में राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग (एनसीएसटी) ने संज्ञान लिया है। आयोग की सदस्य आशा लकड़ा ने कहा कि आदिवासी लड़की के साथ उत्पीड़न के इस मामले में आयोग आवश्यक हस्तक्षेप करेगा। साथ ही पीड़िता को न्याय दिलाने के लिए राज्य सरकार को जरूरी दिशा-निर्देश जारी किए जाएंगे। आयोग ने मीडिया में आई खबरों के आधार पर मामले की निगरानी शुरू कर दी है और जल्द आवश्यक कदम उठाने की बात कही है। विधानसभा थाना में दर्ज शिकायत के अनुसार, पीड़िता को मई 2026 में पढ़ाई कराने और स्कूल में दाखिला दिलाने का झांसा देकर रांची लाया गया था। इसके बाद उसे विधायक भूषण बाड़ा के सरकारी आवास पर घरेलू काम में लगा दिया गया। आरोप है कि 5 अगस्त को विधायक ने नाबालिग के साथ दुष्कर्म किया।

चुनाव से पहले यूपी की नौकरशाही में बड़ा फेरबदल देर रात किए 55 पीसीएस अधिकारियों के तबादले

लखनऊ। एजेंसी

शासन ने चुनाव आयोग के निर्देश के बाद एक जिले में तीन साल से तैनात अधिकारियों को हटाने की कार्यवाही प्रारंभ कर दी है।



रविवार की शाम 55 पीसीएस अधिकारियों को इधर से उधर कर दिया गया। विकास प्राधिकरण, मंडलायुक्त कार्यालय, नगर निकाय, राजस्व प्रशासन समेत कई विभागों में तैनात पीसीएस अधिकारियों के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया गया है।

पीसीएस अधिकारी अमरपाल सिंह को अपर आयुक्त सहारनपुर, विवेक कुमार मिश्रा को सचिव वाराणसी विकास प्राधिकरण, सुशील प्रताप सिंह को सचिव गाजियाबाद विकास प्राधिकरण, अतुल कुमार को सचिव लखनऊ विकास प्राधिकरण की जिम्मेदारी दी गई है। डॉ वेद प्रकाश मिश्रा को एडीएम हापुड़, बृजेश कुमार सिंह को ओएसडी नोएडा, पंकज कुमार को अपर आयुक्त चित्रकूट धाम, आलोक कुमार वर्मा को सचिव अयोध्या विकास प्राधिकरण और विनय कुमार सिंह-2 को सचिव मेरठ विकास प्राधिकरण नियुक्त किया गया है।

पीसीएस अधिकारी क्रांति शेखर सिंह को विशेष कार्याधिकारी दादरी-नोएडा-गाजियाबाद निवेश क्षेत्र (नोएडा), ज्ञान चंद्र गुप्ता को संयुक्त सीईओ अयोध्या तीर्थ विकास परिषद बनाया गया है। वहीं जयजीत कौर होरा को कुलसचिव, भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय तथा अपर निदेशक, संस्कृति निदेशालय की जिम्मेदारी सौंपी गई है। रमेश यादव को अपर आयुक्त मेरठ मंडल, ज्योति सिंह को अपर आयुक्त वाराणसी मंडल और विवेक कुमार यादव को अपर आयुक्त आगरा मंडल तैनात किया गया है। सुशील कुमार गोंड को उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय में उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी बनाया गया है। नगर निकायों में भी कई अहम नियुक्तियां की गई हैं। माया शंकर यादव को अपर नगर आयुक्त मेरठ, अविनाश त्रिपाठी को अपर नगर आयुक्त नगर निगम लखनऊ में नई तैनाती दी गई है।

'पश्चिम एशिया के हर बड़े संघर्ष में ईरान की भूमिका': मार्को रूबियो

अमेरिका। एजेंसी

अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने ईरान पर पश्चिम एशिया में अस्थिरता फैलाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के लगभग हर बड़े संघर्ष के पीछे ईरान की भूमिका एक साझा कारक के रूप में दिखाई देती है। रुबियो ने ईरान की क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाओं को 'असाधारण ऐतिहासिक खतरा' बताते हुए कहा कि इस पर तत्काल ध्यान देने की जरूरत है। वॉशिंगटन में फेडरलिस्ट सोसाइटी के नेशनल लॉयर्स कन्वेंशन को संबोधित करते हुए रुबियो ने यमन के हूती विद्रोहियों,



इराक के शिया मिलिशिया, सीरिया के पूर्व राष्ट्रपति बशर अल-असद के समर्थक बलों और लेबनान के हिजबुल्ला का जिक्र किया। रुबियो ने कहा, 'पश्चिम एशिया की हर बड़ी समस्या के पीछे एक साझा कारक है। चाहे सऊदी अरब पर हूतियों के हमले हों, इराक को अस्थिर करने वाले शिया मिलिशिया हों, सीरिया में असद का समर्थन करने वाले लड़ाके हों या लेबनान में हिजबुल्ला, हर जगह ईरान के शिया धर्मगुरुओं और उनकी विस्तारवादी सोच की भूमिका दिखाई देती है।'

दिल्ली : शोरूम में बाल पकड़कर घसीटा, पीटा... फिर गला रेता

दिल्ली। एजेंसी

मोती नगर में कपड़ों के शोरूम में काम करने वाली 19 वर्षीय शबनम की हत्या के आरोप में पुलिस ने उसकी बहन के देवर सूरज को गिरफ्तार किया है। परिवार का आरोप है कि शादी से इन्कार करने पर सूरज ने इस खौफनाक वारदात को अंजाम दिया। इस बीच, शोरूम के सीसीटीवी फुटेज में सूरज की बर्बरता सामने आई है। सीसीटीवी में सूरज बड़ी बेहरमी से शबनम को पीटता दिखाई दे रहा है। शनिवार रात हुई वारदात में वह दर्द से चीखती रही, बचने के लिए जमीन पर बैठ गई और खुद को बचाने की कोशिश करती रही, पर सूरज नहीं रुका। बाल पकड़कर घसीटते हुए चेंजिंग रूम तक ले गया। फिर धारदार हथियार से गला रेत दिया और फरार हो गया। रात नौ बजे शोरूम बंद करने के दौरान कर्मचारी चेंजिंग रूम की जांच करने पहुंचे, तो शबनम खून से लथपथ पड़ी थी। गले पर धारदार हथियार से चोट के निशान थे। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

इटली की सांसद डेबोरा बर्गामिनी ने कहा 'भारत को न पढ़ाएं लोकतंत्र का पाठ'

रोम। एजेंसी

इटली की सांसद डेबोरा बर्गामिनी ने भाजपा को लेकर यूरोपीय सोशलिस्ट नेता जियाकोमो फिलिबेक की टिप्पणी पर कड़ी आपत्ति जताई है। डेबोरा ने कहा, 'भारत के अपने राजनीतिक संस्थान और न्यायपालिका हैं। देश के आंतरिक राजनीतिक विवादों का समाधान लोकतांत्रिक व्यवस्था और तय नियमों के तहत होना चाहिए।'



बर्गामिनी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि किसी मित्र देश की घरेलू राजनीतिक बहस में विदेशी राजनीतिक प्रतिनिधियों का हस्तक्षेप उचित नहीं है। उन्होंने यह टिप्पणी यूरोपीय सोशलिस्ट्स एंड डेमोक्रेट्स समूह के प्रतिनिधि जियाकोमो फिलिबेक के बयान के जवाब में की। फिलिबेक ने हैदराबाद में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की ओर से आयोजित भारत समिट में भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा था, 'वोट चोर, गद्दी छोड़।'

बर्गामिनी ने कहा कि फिलिबेक की टिप्पणी भारतीय विपक्ष की ओर से सत्तारूढ़ गठबंधन की मतदाता सूची में संशोधन की प्रक्रिया की आलोचना के बीच आई है। उन्होंने बताया कि इस प्रक्रिया का उद्देश्य मतदाता सूची से दोहरी प्रविष्टियां, मृत लोगों के नाम और दूसरे स्थानों पर जा चुके लोगों के नाम हटाना है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में हर व्यक्ति को अपनी बात रखने और आरोप लगाने की आजादी है, लेकिन उसे अपने आरोपों के समर्थन में सबूत भी देने चाहिए।

गोदियाल बोले- मेले में विधायक को नहीं दिया बोलने का मौका

देहरादून। एजेंसी

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने कहा कि जौलजीबी मेले में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने स्थानीय विधायक को बोलने का मौका नहीं दिया। समारोह की अध्यक्षता कर रहे विधायक की बात सुने बिना मुख्यमंत्री समारोह से चले गए। इस पर स्थायी विधायक हरीश धामी की नाराजगी जायज है। आरोप लगाया कि सीएम का आचरण अलोकतांत्रिक था। उन्होंने कहा कि इससे यह पता चलता है कि सीएम लोकतंत्र में विश्वास नहीं करते। जो विपक्ष को कही पर स्थान नहीं देना चाहते। यह स्थानीय विधायक ही नहीं उस क्षेत्र की जनता के मनोभाव के भी खिलाफ है। सीएम को इतना बड़ा दिल रखना चाहिए था, जिस कार्यक्रम की हरीश धामी अध्यक्षता कर रहे थे, अध्यक्षीय भाषण के बाद ही उन्हें कार्यक्रम से उठना चाहिए था।



मेट्रो एंकर नेशनल हाईवे एक्सप्रेसवे पर अक्टूबर महीने में सबसे ज्यादा कलेक्शन, फास्टैग और यूपीआई से पैमेंट अधिक

टोल टैक्स 6640 करोड़ रुपए के रिकॉर्ड स्तर पर, पिछले वर्ष से 16% अधिक

नई दिल्ली। एजेंसी

नेशनल हाईवे पर एक्सप्रेसवे पर अक्टूबर महीने में रिकॉर्ड टोल कलेक्शन हुआ है। इस महीने टोल कलेक्शन 6,640 करोड़ रुपये के पार पहुंच गया। अब तक एक महीने में टोल कलेक्शन का ये सबसे बड़ा अमाउंट है। टोल कलेक्शन की ये बढ़ोतरी देशभर के राजमार्ग नेटवर्क पर मजबूत आर्थिक गतिविधियों और वाहनों की आवाजाही में हुई बढ़ोतरी को दर्शाती है। अक्टूबर 2025 में नकद (कैश) के जरिए 84 करोड़ रुपये का कलेक्शन हुआ था, जो अक्टूबर 2026 में घटकर मात्र 4 करोड़ रुपये रह गया। वहीं, अक्टूबर में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) के जरिए करीब 100 करोड़ रुपये का भुगतान हुआ, जबकि अक्टूबर 2025 में इस माध्यम से कोई कलेक्शन नहीं हुआ था।

पिछले वर्ष 5,715 करोड़ रुपये का हुआ था कलेक्शन



अक्टूबर 2026 में हुए टोल कलेक्शन की पिछले साल के अक्टूबर महीने से तुलना करें तो इस बार 16 प्रतिशत ज्यादा कलेक्शन हुआ है। अक्टूबर 2025 में 5,715 करोड़ रुपये के करीब कलेक्शन हुआ था। इससे पहले, एक महीने में सबसे ज्यादा टोल कलेक्शन इस साल मई में हुआ था, जो 6,185 करोड़ रुपये था। अधिकारियों के अनुसार, मौजूदा रुझानों को देखते हुए, इस साल कुल टोल कलेक्शन लगभग 74,000 करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है।

ऑनलाइन पेमेंट पर जोर

नकद लेनदेन में आई यह भारी गिरावट, राजमार्गों पर टोल शुल्क के भुगतान के लिए नकद के बजाय फास्टैग या यूपीआई का उपयोग करने के सरकारी निर्देशों का परिणाम है। इलेक्ट्रॉनिक टोल कलेक्शन के बढ़ते चलन ने टोल प्लाजा पर नकद पर निर्भरता को कम कर दिया है। यूपीआई भुगतानों में बढ़ोतरी यह भी दर्शाती है कि राजमार्ग उपयोगकर्ताओं के लिए डिजिटल भुगतान के विकल्प धीरे-धीरे बढ़ रहे हैं। टोल भुगतान के तरीके के रूप में नकद को पूरी तरह खत्म करने को लेकर एक अधिकारी ने कहा, 'नकद लेनदेन खत्म होने से किसी भी तरह की गड़बड़ी की गुंजाइश नहीं रहेगी। इसके अलावा, ज्यादा लोग फास्टैग एनुअल पास (वार्षिक पास) भी ले रहे हैं, जो एक अच्छा संकेत है।'

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564, 4917524